संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 204
पृष्ठ 8
मंगलवार
15 अप्रैल 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– डेंगू-मलेरिया से लेकर थकान तक...

विचार– जलवायु परिवर्तन, सांस के लिए...

खेल– मुझे एक और मौका.., 40 गेंद में 89 रन...

कांग्रेस ने संविधान की भावना से किया खिलवाड़ : मोदी

हिसार, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कॉंग्रेस पर हमला करते हुये कहा कि इस पार्टी ने संविधान की भावना से खिलवाड़ किया है और बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर का अपमान किया है। प्रधानमंत्री यहाँ हवाई अड्डे के नये टर्मिनल भवन का शिलान्यास करने और हिसार से अयोध्या के लिए पहली उड़ान को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने के अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि आज हरियाणा की यह पवित्र धरती, जो भगवान श्रीकृष्ण और महाभारत के समय से जुड़ी है, अब सीधे श्रीराम की पावन भूमि अयोध्या से जुड़ गई है। उन्होंने इसे केवल हवाई कनेक्टिविटी नहीं, बल्कि आस्था, संस्कृति और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बताया। श्री मोदी ने कहा कि यह वह भारत है, जो "हवाई चप्पल पहनने वालों को भी हवाई जहाज में बैठाने" का सपना लेकर चला था और अब उसे साकार कर रहा है। उन्होंने बताया कि हिसार जैसे शहर अब देश के उन धार्मिक और सांस्कृतिक केन्द्रों से सीधे जुड़ रहे हैं, जहाँ पहले पहुँचने में कई दिन लगते थे। इससे तीर्थयात्रा, पर्यटन, व्यापार और निवेश को बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा। प्रधानमंत्री ने बताया कि हिसार एयरपोर्ट को आधुनिक बनाया गया है। नए टर्मिनल भवन के निर्माण से इसकी यात्री क्षमता में बड़ा इजाफा होगा। शुरुआत में हिसार से अयोध्या, चंडीगढ़, अहमदाबाद और जम्मू के लिए सीधी उड़ानें शुरू की जाएंगी। भविष्य में इसे अन्य शहरों को भी जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि यह हवाईअड्डे हर साल लगभग 21 लाख यात्रियों को सेवा देगा। उन्होंने इस अवसर पर यह भी उल्लेख किया कि 2014 तक देश में केवल 74 एयरपोर्ट थे, लेकिन आज यह संख्या 150 से अधिक हो चुकी है। उड़ान योजना के तहत 500 से अधिक रूट चालू हो चुके हैं, जिससे छोटे शहरों की कनेक्टिविटी बेहतर हुई है। उन्होंने बताया कि भारतीय एयरलाइंस कंपनियों ने अब तक 2,000 से अधिक नए विमानों का ऑर्डर दिया है, जिससे लाखों रोजगार के अवसर पैदा होंगे। श्री मोदी ने संविधान निर्माता डॉ. अंबेडकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कांग्रेस पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने संविधान की आत्मा और उसकी भावना दोनों का बार–बार अपमान किया है। डॉ. अंबेडकर को दो बार जानबूझकर संसद में जाने से रोका गया। उनके विचारों को योजनाबद्ध तरीके से दरकिनार किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने वोट बैंक की राजनीति के लिए संविधान में धर्म आधारित आरक्षण को बढ़ावा दिया, जबकि डॉ. अंबेडकर स्पष्ट रूप से इसके खिलाफ थे। श्री मोदी ने कहा, " बाबा साहेब ने संविधान में धर्म के आधार पर आरक्षण का विरोध किया था, लेकिन कांग्रेस ने मुस्लिम आरक्षण की वकालत कर संविधान की आत्मा को रौंदा।" उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने वक्फ कानून के जरिए गरीबों, दलितों और आदिवासियों की जमीनों को माफियाओं के हाथ सौंप दिया। उन्होंने दावा किया कि उनकी सरकार ने वक्फ कानून में जरूरी संशोधन किए हैं। यह कदम मुस्लिम महिलाओं, दलितों और आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा के लिए जरूरी था। विकास योजनाओं का उल्लेख करते हुये प्रधानमंत्री ने कहा कि डॉ अंबेडकर के विचार ही उनके शासन का मार्गदर्शन करते हैं। उन्होंने बताया कि उनकी सरकार ने दलितों, वंचितों, पिछड़ों और गरीबों के कल्याण के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। उन्होंने बताया कि अब तक 11 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण किया गया है, जिससे स्वच्छता और गरिमा दोनों में सुधार हुआ है। बारह करोड़ से अधिक घरों में नल से शुद्ध जल पहुंचाया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि करोड़ों गरीबों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्के घर दिए गए हैं और जनधन खातों, उज्ज्वला योजना तथा आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं ने उनके जीवन को सुरक्षित और सम्मानजनक बनाया है। उन्होंने कहा, " बाबा साहेब कहते थे कि जो समाज शोषित है, पीड़ित है, उसे ऊपर उठाने का काम सरकार का होना चाहिए। हम उसी भावना के तहत कार्य कर रहे हैं।" इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रधानमंत्री का स्वागत पारंपरिक हरियाणवी पगड़ी और गेहूं की बालियों से किया। उन्होंने कहा कि हिसार हवाईअड्डा राज्य के विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

सच्चे अर्थों में भारत रत्न एवं लोकतंत्र की जीवंत पाठशाला थे डॉ. अम्बेडकर: योगी

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कैबिनेट के साथ डॉ.अम्बेडकर को दी श्रद्धांजलि

लखनऊ, संवाददाता। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा, 140 करोड़ लोग उत्तर से दक्षिण, पूर्व से पश्चिम तक एकता के सूत्र में बंधकर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में धाक जमा रहे हैं। ये भारत के संविधान के कारण सम्भव हो पाया है। भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर का जो सपना था उसे आजाद भारत में अटलजी ने साकार करने का प्रयास किया और उसको एक नई गति देने का काम देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है। हम लोग पहले चरण में ऐसे 14 से 15 लाख परिवारों को जोड़ने जा रहे है,जिन्हें सुविधाएं नहीं मिलीं, उन्हें डबल इंजन की सरकार उपलब्धकरायेगी। यह योजना उत्तर प्रदेश में बाबा साहब के नाम पर जानी जाएगी। समाजवादी पार्टी कहती थी कि बाबा साहब का स्मारक कहीं भी बनेगा तो हम उसे तोड़ेंगे लेकिन आज बाबा साहब को सम्मान मिल रहा है, उनके मूल्यों और आदर्शों के प्रति पूरा भारत कृतज्ञता ज्ञापित कर रहा है। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हजरतगंज में डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके योगदान को याद किया। इस मौके पर उनके साथ उनकी कैबिनेट के सहयोगी भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने डॉ. आंबेडकर के योगदान को याद करते हुए 'एक्स' पर कहा कि सर्वसमावेशी, सर्वहितग्राही, उत्कृष्ट लोकतांत्रिक मूल्यों से दीप्त, एक भारत–श्रेष्ठ भारत की भावना को समृद्ध करतेभारतीय संविधान के शिल्पकार बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर उन्हें कोटि–कोटि नमन!वे सच्चे अर्थों में भारत रत्न एवं लोकतंत्र की जीवंत पाठशाला थे। समतामूलक एवं न्यायप्रिय समाज की स्थापना के लिए उनका संघर्ष हम सभी को अनंत काल तक प्रेरणा प्रदान करता रहेगा।

बेंगलुरु में बारिश वाला होगा सप्ताह, आईएमडी ने जारी किया येलो अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। बेंगलुरु और कर्नाटक के कई अन्य हिस्सों में सप्ताह की शुरुआत बारिश के साथ होने की संभावना है, तथा भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सोमवार और मंगलवार को कई जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। आईएमडी के अनुसार, राज्य भर में अलग–अलग स्थानों

पर हल्की बारिश और गरज के साथ छींटे पड़ने के साथ 40–50 किमी प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलने की संभावना है। डेक्कन हेराल्ड की रिपोर्ट के अनुसार, इस मौसमी गतिविधि का कारण ऊपरी हवा में चक्रवाती परिसंचरण को माना जा रहा है जो आंध्र प्रदेश के तटीय मध्य क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों में समुद्रतल से लगभग 0.9 किमी ऊपर स्थित है। परिणामस्वरूप, सोमवार को 18 जिलों के लिए पीला अलर्ट जारी किया गया है, जिसमें रायचूर, कोप्पल, गडग, घ्ध्धारवाड़, हावेरी, दावणगेरे, शिवमोग्गा, चित्रदुर्ग, चिक्कमगलुरु, हसन, कोडागु, मैसूरु, मांड्या, चामराजनगर, रामानगर, बेंगलुरु शहरी, तुमकुरु और कोलार शामिल हैं। आईएमडी ने इनमें से कुछ इलाकों में भारी बारिश और तेज हवाओं की चेतावनी दी है। मंगलवार को भी येलो अलर्ट जारी रहेगा, बेंगलुरु शहरी क्षेत्र सहित 15 जिलों में बारिश की संभावना है। उस दिन दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक के अधिकांश हिस्सों में बारिश होने की उम्मीद है। इस बीच, तटीय और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में भी पूरे सप्ताह हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है। हालांकि, कलबुर्गी, यादगीर और बीदर जिलों में शुष्क स्थिति बनी रहने की संभावना है।

राम मंदिर ट्रस्ट को मिली संदिग्ध मेल, पुलिस मामले की जांच में जुटी

अयोध्या, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर को एक ईमेल मिला है, जिसमें ट्रस्ट को मंदिर की सुरक्षा को लेकर चेतावनी दी गई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि ईमेल के बारे में और जानकारी जुटाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। मामले से जुड़े सूत्रों ने बताया कि ईमेल रविवार और सोमवार की दरम्यानी रात को मिला था। हालांकि पुलिस ने ईमेल के बारे में ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है, लेकिन उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के एक व्यक्ति ने अंग्रेजी में ईमेल लिखा है। अभी तक राम मंदिर ट्रस्ट या सुरक्षा एजेंसियों की ओर से ईमेल के बारे में कोई आधिकारिक सूचना जारी नहीं की गई है। राम मंदिर का सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व बहुत अधिक है, जिससे कोई भी संभावित खतरा गंभीर चिंता का विषय बन जाता है।

जाति जनगणना कराने के साथ एसएसी एसटी उप–योजना फिर लागू करे सरकार : खरगे

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने देश में जाति जनगणना को आवश्यक बताते हुए सरकार से एससी और एसटी के हित में पांच मांगे स्वीकार करने का आग्रह करते हुए इन वर्गों के लिए उप योजना को फिर से लागू करने की मांग की है। श्री खरगे ने डॉ अम्बेडकर जयंती पर सोमवार को यहां जारी बयान में कहा "संविधान निर्माता बाबासाहेब डॉ आंबेडकर जी की जयंती आज है। आज के दिन मैं कॉंग्रेस पार्टी की तरफ़ से 5 बातें कहना चाहता हूँ। पहली बात मैं कहना चाहता हूँ कि जाति जनगणना जरूरी है। अभी केंद्र सरकार 2011 की जनगणना के आंकड़ों पर अपनी योजनाएँ बना रही है। साल 2021 में होनेवाली जनगणना का अभी तक पता नहीं। हम मांग करते हैं कि जनगणना के साथ–साथ ये भी जरूरी है कि जाति जनगणना कराया जाए। क्योंकि इतने वर्षों के बाद ये नहीं मालूम है कि आज समाज के अलग–अलग वर्गों की वास्तविक हालत कैसी है। सामाजिक न्याय के पैमाने पर – शिक्षा, नौकरी, मकान, जमीन का मालिकाना हक़ आदि पर उन्होंने कितनी तरक्की की है।" उन्होंने कहा "श्रीमती इंदिरा गांधी ने 1976 में अनुसूचित जाति जन जाति सब प्लान लागू किया था ताकि इन समुदायों के साथ समुचित न्याय हो। दुर्भाग्य से 2015 में मोदी सरकार ने इसे ख़त्म कर दिया। हमारे कर्नाटक और तेलंगना राज्य सरकारों ने सब प्लान लागू करने का क़ानून बनाया है। हम भाजपा सरकार से माँग करते हैं कि अनुसूचित जाति जन जाति सब प्लान को केंद्र सरकार फिर से लागू करे। तमिलनाडु के सिवा कोई राज्य नहीं जहाँ आरक्षण सुरक्षित है। हम मांग करते हैं कि राज्यों के आरक्षण को नौवीं सूची में शामिल किया जाए जिससे 50 प्रतिशत की सीलिंग हटाकर राज्यों के आरक्षण को सुरक्षित किया जा सके।" कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा "साल 2006 में संशोधन हुआ अनुच्छेद 15 (5) में संविधान संशोधन कर एससी, एसटी, ओबीसी को निजी कालेजों में आरक्षण दिलाने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने 2014 में यह क़ानून सही ठहराया। आज 55 प्रतिशत उच्च शिक्षण संस्थान निजी हाथों में है। हमारे बच्चे कैसे पढ़ेंगे। मोदी सरकार सो रही है। मैं माँग करता हूँ कि इसे क़ानूनी अधिकार बनाया जाय और इसे तत्काल लागू किया जाय। यही सबसे बड़ी श्रद्धांजलि बाबासाहेब को होगी।

खरगे–सोनिया–राहुल ने संसद भवन में दी अम्बेडकर को श्रद्धांजलि

नयी दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने संविधान निर्माता बाबा साहेब अम्बेडकर की 135वीं जयंती पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की।

संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में बाबा साहेब की जयंती पर उनको नमन करने के लिए आयोजित कार्यक्रम में श्री खरगे, श्रीमती गांधी तथा श्री गांधी के साथ ही कई अन्य प्रमुख नेताओं ने बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कांग्रेस नेताओं ने संविधान की शक्ति देकर करोड़ों भारतीयों को सम्मान और स्वाभिमान से जीने का अधिकार देने वाले बाबा साहेब को संसद भवन परिसर में प्रेरणा स्थल पर उनकी मूर्ति पर भी पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

उन्होंने इस दौरान वहां आयोजित विशेष कार्यक्रम में हिस्सा लिया। श्री गांधी ने बाबा साहेब को नमन करते हुए कहा "भारतीय संविधान के निर्माता बाबासाहेब डॉ भीमराव अंबेडकर जी को उनकी जयंती पर सादर नमन।

देश के लोकतंत्र को मज़बूत करने के लिए, हर भारतीय के समान अधिकारों के लिए, हर वर्ग की हिस्सेदारी के लिए उनका संघर्ष और योगदान, संविधान की रक्षा की लड़ाई में हमेशा हमारा मार्गदर्शन करता रहेगा।"

हल्द्वानी में धामी सरकार ने उठाया बड़ा कदम, अवैध मदरसे हुए सील

हल्द्वानी, एजेंसी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में सख्त निर्देशों का पालन करते हुए राज्य के हल्द्वानी में स्थानीय प्रशासन एक्शन मोड में आया हुआ है। हल्द्वानी के बनभूलपुरा इलाके में प्रशासन ने अवैध तौर पर संचालित मदरसों के खिलाफ छापेमारी की है। इस दौरान कई मदरसों को सील किया गया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए है। ये इंतजाम इसलिए किए गए हैं क्योंकि इलाके में किसी तरह की अशांति ना फैले और कानून व्यवस्था भी बनी रहे। बता दें कि अपर जिला अधिकारी विवेक राय ने बताया है कि ये कार्रवाई उन मदरसों पर की गई है, जिनके पास मान्यता नहीं है। जिन मदरसों में शइक्षा विभाग व सरकार के नियमों का पालन नहीं हो रहा था उन्हें सील किया गया है। इन मदरसों ने बच्चों की सुरक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता संबंधित मानकों का पालन किया है। प्रशासन को पहले कुछ मदरसों के खिलाफ गंभीर शिकायतें मिली है।

मुर्मु, धनखड़, मोदी और अन्य नेताओं ने अंबेडकर जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अन्य गणमान्य हस्तियों ने सोमवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती पर संसद परिसर में प्रेरणा स्थल पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, अर्जुन राम मेघवाल, पीयूष गोयल, सांसद एवं विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और अन्य

नेताओं ने भी डॉ अंबेडकर को पुष्पांजलि अर्पित की। इससे पहले श्री मोदी ने अपने पोस्ट पर कहा, "मैं सभी देशवासियों की ओर से भारत रत्न पूज्य बाबासाहेब को उनकी जयंती पर नमन करता हूं।" उन्होंने आगे कहा, "उनकी प्रेरणा के कारण ही आज देश सामाजिक न्याय के सपने को साकार करने में समर्पित भाव से लगा हुआ है। उनके सिद्धांत और आदर्श आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण को शक्ति और गति प्रदान करेंगे।" चौदह अप्रैल को अंबेडकर जयंती भारतीय राजनीतिज्ञ और समाज सुधारक बी. आर. अंबेडकर की स्मृति में मनायी जाती है। बाबासाहेब डॉ. अंबेडकर ने समाज के हाशिए पर पड़े वर्गों के खिलाफ सामाजिक और जातिगत भेदभाव को खत्म करने के लिए जीवन भर दृढ़ता से काम किया। एक साधारण शुरुआत से वह स्वतंत्र भारत के पहले कानून और न्याय मंत्री बने।

भूरेका में बिजली की लाइन से निकली चिंगारी से जली गेहूं की फसल

–40 साल पुरानी जर्जर लाइन को अधिकारियों ने नहीं किया ठीक

–लाइन बदलने को स्वीकृत बजट के बाद भी ठीक नहीं की लाइन

मथुरा। नौहझील के गांव भूरेका में जर्जर विद्युत लाइन की चिंगारी से प्रगतिशील किसान सुधीर अग्रवाल की बीज उत्पादन वाली गेहूं की 4–5 एकड़ फसल जल गई। उन्होंने 14 दिन पूर्व ही एक्सईएन डीवीवीएनएल को पत्र लिखकर लाइन दुरुस्त करने और फसल कटने तक कड़ी दोपहर में सप्लाई बंद रखने की मांग की थी। सोमवार की सुबह 9.20 बजे विद्युत लाइन से उठी चिंगारी ने किसान सुधीर अग्रवाल की गेहूं की फसल को चपेट में ले लिया। बीज उत्पादन बाली फसल में आग लगते देख श्रमिक और ग्रामीण दौड़ लिए। आनन फानन में पंपसेट चालू कर पानी चलाया। लोगों के सहयोग और डालकर पानी व जुताई कर आग के प्रभाव को रोका गया। लगभग 50 लोगों के प्रयास के बाद भी 4–5 एकड़ फसल जल गई। विदित हो कि श्री अग्रवाल बड़े कास्तकार एवं बीज उत्पादक हैं। उनके लिए हजारों किसान बीज उत्पादन करते हैं। उन्होंने कहा कि 11 हजार की लाइन उन्होंने निजी धन से 1984 में डलवाई थी। इससे विभाग ने पांच छह कनेक्शन देकर धन उगाही तो कर ली लेकिन बार बार कहने पर भी जर्जर लाइन को ठीक नहीं किया। उनका आरोप है कि लाइन की दुरुस्ती का बजट भी पास हुआ लेकिन वह कहां गया कोई बताने वाला नहीं है। अब वे विभाग के खिलाफ नुकसान की भरपाई को क्लेम करेंगे।

आरएसएस विश्वनाथ नगर ने गुरुद्वारा में भव्य बैसाखी उत्सव मनाया

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने सहोदर भावना का परिचय देते हुए जमकर लंगर लगाया

विश्वनाथ, असम। विश्वनाथ चारिआलि शहर के राष्ट्रीय मार्ग 15 में स्थित गुरुद्वारा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विश्वनाथ नगर ने सहोदर भावना का परिचय देते हुए गुरुद्वारा प्रबंधन के पदाधिकारी मंजीत सिंह के विशेष सहयोग से सिख धर्मालंबियों के संग कल गुरुद्वारा में बैसाखी उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया। इसके बाद भव्य लंगर भी लगाया गया। सर्वप्रथम निशान साहिब झंडा फहराया गया।सिख महंत द्वारा धार्मिक प्रवचन दिया गया हैं और सिख श्रद्धालुओं ने भजन व कीर्तन किया। महंत द्वारा उपस्थिति श्रद्धालुओं ने गुरु साहिब ग्रंथ पर मंत्र से पुष्प अर्पित और प्रणाम किया गया। इसके बाद महाप्रसाद वितरित गया। इसके बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विश्वनाथ जिला के प्रमुख और विश्वनाथ नगर समिति के प्रमुख के उपस्थिति में जमकर लंगर लगाया गया। इस शुभ अवसर पर विश्वनाथ जिला के व्यवस्थापक प्रमुख छत्तर सिंह पंवार, मुख्य मार्ग प्रमुख व सुचिकित्सक डा० सरजीत दास, बौद्धिक प्रमुख दीपांकर देवनाथ , जिला प्रचारक कार्तिक गढ़ , भाजपा किसान मोर्चा राज्यिक उपाध्यक्ष व वरिष्ठ स्वयंसेवक भास्कर हाजरिका,विश्वनाथ नगर कार्यवाह अपूर्व कुमार दास , राजीव शर्मा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विश्वनाथ के स्वयंसेवक संतोष कुमार महतो और विश्वनाथ गुरुद्वारा प्रबंधन समिति पदाधिकारी आदि मौजूद थे।उल्लेखनीय है कि सिख त्योहार के रूप में वैसाखी 13 अप्रैल 1699 को सिख धर्म के दसवें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह द्वारा खालसा आदेश के जन्म का प्रतीक है। साथ ही यह सिख धर्म के नववर्ष का भी प्रतीक है। इसी दिन 1699 में सिखों के दसवें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह जी ने खालसा पंथ की स्थापना की थी।

हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान को राज्य मंत्री ने दिखाई हरी झंडी

– डॉ. आंबेडकर की जयंती पर निकाली गई रैली

मथुरा। भारतीय संविधान के शिल्पी, भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के अवसर पर राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) माध्यमिक शिक्षा विभाग गुलाब देवी ने सेठ बी.एन. पोद्दार इंटर कालेज से हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान थीम पर

आधारित प्रभात फेरी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मंत्री के साथ विधायक बलदेव पूरन प्रकाश, अपर जिलाधिकारी प्रशासन विजय शंकर दुबे, नगर मजिस्ट्रेट राकेश कुमार, डिप्टी कलेक्टर वैभव गुप्ता, जिला विद्यालय निरीक्षक रविन्द्र कुमार सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त आदि मौजूद रहे। प्रभात फेरी, रैली सेठ बी.एन. पोद्दार इण्टर कालेज से भगत सिंह पार्क डैम्पियर नगर तक हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान टैग लाइन वाले पोस्टर बैनर एवं झंडे के साथ निकली। प्रभात फेरी में जनपद के 19 विद्यालयों के छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया। रैली में बड़ी संख्या में स्काउट, एन.सी.सी, एन.एस.एस आदि के छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

जिला पंचायत सभागार में धूमधाम एवं हर्षोल्लास से मनाई गई डॉ. भीमराव आंबेडकर जी की जयंती

मुजफ्फरनगर। कलेक्ट स्थित जिला पंचायत के सभागार में जिलाधिकारी श्री उमेश मिश्रा एवं अपर जिलाधिकारी प्रशासन श्री नरेंद्र बहादुर सिंह,अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व श्री गजेंद्र कुमार तथा कलेक्ट्रेट के अधिकारी एवं कर्मचारी की उपस्थिति में डॉ0 बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी की जयंती के शुभ अवसर पर डॉ बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के चित्र पर

माल्यार्पण कर उनको नमन किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने बाबा साहब के जन्म दिवस पर बधाई देते हुए कहा कि बाबा साहब के बताए गए रास्ते पर चल कर देश एवं समाज की तरक्की में अपना योगदान हमेशा देते रहना है। उन्होंने कहा कि हम सभी की यह नैतिक एवं सामाजिक जिम्मेदारी है कि अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा ईमानदारी के साथ करें। अभिनव भारत के निर्माता ने हम सभी को एक विकसित राष्ट्र एक समृद्ध समाज की स्थापना की प्रेरणा देने वाले बाबा साहेब के इस पुनीत अवसर पर सभी को बहुत–बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं दी इस पर डॉ बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के जीवन एवं उनके द्वारा किए गए कार्यों पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन तथा अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ने अपने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व श्री गजेंद्रकुमार,अपर जिलाधिकारी प्रशासन श्री नरेंद्र बहादुर सिंह, नगर मजिस्ट्रेट श्री विकास कश्यप सहित अन्य अधिकारी एवं बड़ी संख्या में कलेक्ट्रेट के अधिकारी ध्कर्मचारी उपस्थित रहे।

चोक सीवर लाइन, दरवाजे पर जमा गंदगी, दुर्गंध ने सांस लेना किया मुहाल

प्रयागराज। शहर का पुराना बैरहना मोहल्ला जाम सीवर लाइन की समस्या से जूझ रहा है। सीवर के गंदे पानी से गलियां लबालब हैं। जाम सीवर से निकल रही गंदगी घरों के दरवाजे पर जमा है। लोगों का घरों से निकलना मुहाल हो चला है। हालत यह है कि यहां दो मिनट खड़े होने पर उल्टी आने लगती है। इसी नारकीय स्थिति में लोगों को रहना किसी सजा से कम नहीं महसूस हो रहा। यहां बारिश के दिनों में समस्या और गंभीर हो जाती है। लोग घरों में कैद होकर रह जाते हैं। बार–बार की शिकायत के बावजूद जिम्मेदार हाथ पर हाथ धरे बैठे हैं जिससे समस्या का स्थायी निदान नहीं हो पा रहा है। इलाके के लोगों ने अपनी परेशानी बयां की। एक स्वर में लोग विकराल होती समस्या के लिए विभागीय लोगों को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। इलाके के बाशिंदों को इस बात का भी मलाल है कि बार–बार की शिकायतों के बावजूद समस्या का निराकण तो दूर कोई जिम्मेदार यहां झांकने भी नहीं आया।

पुराना बैरहना की गलियों में रहने वालों का गंदगी और बदबू से हाल बेहाल है। सीवर लाइन जाम होने से गंदा पानी गलियों में भर रहा है। लोगों के घरों के दरवाजे पर सीवर से उतरा रहा मल जमा हो रहा है। गलियों में सीवर का गंदा पानी भर जाने के कारण लोगों को घर से निकलने में काफी परेशानी हो रही है। समस्या से उकता परेशान लोगों ने गलियों में पत्थर की पटिया और ईंट डाल कर किसी तरह निकलने का जुगाड़ बनाया लेकिन इसमें में उन्हें भारी परेशानी हो रही है। लोग पत्थर की पटिया से फिसलकर गंदे पानी में गिर जाते हैं और व्यवस्था को कोसते हैं। साफ तौर पर लोगों का कहना है कि वह बराबर जल कर के साथ सीवर कर की समय पर अदायगी करते हैं लेकिन जिम्मेदारों की लापरवाही ने उन्हें उस नारकीय हालात में ढकेल दिया है। जगह–जगह मल जमा होने से हालत इस कदर बिगड़ चुघ्के हैं कि यहां कुछ देर खड़े होने पर उल्टी आने लगती है। समय रहते समस्या का समाधान न हुआ तो बस्ती में कभी भी बीमारियां फैल सकती हैं।

जेई से लेकर सांसद तक से लगाई गुहार

स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्होंने इस गंभीर समस्या की शिकायत विभागीय लोगों सहित नगर आयुक्त, महापौर तक से की। सुनवाई न होने पर रजिस्टर्ड डाक से भी

शिकायती पत्र भेजा लेकिन नतीजा सिफर रहा। जल संस्थान के जेई को कई बार फोन पर समस्या बताई गयी। व्हाट्सएप पर भी फोटो खींचकर डाली गई लेकिन समाधान तो दूर उन्होंने जवाब देना भी मुनासिब नहीं समझा। जन सुनवाई में ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई गई, स्थानीय सांसद को भी समस्या से अवगत कराया गया लेकिन समस्या का निराकरण नहीं हो सका।

बालिका विद्यालय में आने से कतराने लगे हैं बच्चे

यहां नवीन महिला सेवा सदन इंटर कॉलेज लम्बे समय से चल रहा है। लेकिन यहां की दशा देखकर बच्चे विद्यालय आने से कतराने लगे हैं। बारिश के दिनों में गलियां लबालब भरी रहती हैं। आम दिनों में भी गली में सीवर का गंदा पानी लगा रहता है। जगह–जगह कूड़े के ढेर लगे रहते हैं। इन्हीं गंदगी और जलजमाव के बीच से होकर बच्चों को स्कूल पहुंचना होता है। इन सबके चलते विद्यालय में बच्चों की संख्या लगातार कम होती जा रही है।

नाला जाम होने से बोरिंग के बाद भी नहीं चल सका नलकूप

बैरहना में नवीन महिला सेवा सदन इंटर कॉलेज के पास पिछले दिनों नलकूप के लिए बोरिंग कराई गई थी लेकिन यहां नाला जाम होने के कारण नलकूप चालू नहीं हो पाया। स्थानीय लोगों का कहना है कि यहां पेयजल समस्या से लोग परेशान रहते हैं। लो प्रेशर के कारण घरों के प्रथम तल तक भी पानी नहीं पहुंच पाता। नलकूप चालू हो जाता तो करीब आठ हजार लोगों की परेशानी दूर हो सकती थी।

बस्ती वाले खुद करते हैं जुगाड़

बस्ती वालों को इस समस्या से निपटने के लिए खुद ही जुगाड़ करना पड़ता है। गलियों में जमा पानी के कारण आने–जाने में काफी दिक्कतें होती हैं। सीवर के पानी से भर जाने से बचने के लिए लोगों ने गलियों में पत्थर की पटिया और ईंटें डाल रखी हैं जिसके ऊपर से होकर गुजरते हैं। वहीं सीवर का पानी बैक फ्लो होनकर घरों में चला आता है। उसे निकालने के लिए अपने खर्चे पर लोग सफाई कर्मचारियों को ले आते हैं और सफाई कराते हैं।

सीवर लाइन चोक होने से गंदा पानी गली में बहता है। जिसके चलते आना–जाना मुश्किल हो जाता है। गली में बहते गंदे पानी से बचकर आना जाना पड़ता है। समस्या से जूझते साल भर से अधिक का समय हो चुका है।––रोशन लाल

सीवर जाम है। गंदा पानी गली में बहता है। जिससे दुर्गंध उठती है। इसी के बीच होकर आवाजाही करनी पड़ती है। अक्सर यह पानी घर के दरवाजे तक पहुंच जाता है। सफाईकर्मी को बुलाकर स्वयं के खर्च पर सफाई करानी पड़ती है।–राजू

सीवर ओवर फ्लो रहता है, नाली भी जाम है। सफाई नहीं हो पाती। समस्या से कई घर प्रभावित हैं। गली में सीवर का गंदा पानी बह रहा है। जिससे दुर्गंध उठ रही है। गंदगी के चलते मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है। –नीता

साल भर से अधिक हो चुका है लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। गली में गंदगी रहती है। गंदे पानी के बीच होकर लोगों को आना–जाना पड़ता है। कई बार शिकायत की जा चुकी है लेकिन समाधान नहीं हो रहा है।–मुन्ना शर्मा

गंदा पानी रास्ते में बह रहा है। आने–जाने में बहुत समस्या होती है। गंदगी और बदबू का सामना करना पड़ता है। सीवर का बहने वाला पानी घर के भीतर घुस जाता है। समस्या का शीघ्र निदान होना चाहिए।–संगीता शर्मा

सीवर और नाली की समस्या को लेकर संबंधित विभाग में शिकायती पत्र दिया जा चुका है लेकिन समाधान नहीं हुआ। आये दिन सीवर जाम रहता है। नाली गंदगी से पटी हुई है। सफाई न होने से हालात और भी बदतर हो रहे हैं।––फूलपति देवी

सीवर चोक हैं और नाली भी जाम रहती है। नाली पटी होने के कारण सफाई नहीं हो पाती। सीवर जाम होने के कारण गली में गंदा पानी बहता है। बैक फ्लो के चलते लोगों के घर में गंदा पानी घुस जाता है।––पंकज कुमार

नाली जाम है। सीवर का चेंबर चोक है। जिसके चलते गंदा पानी गली में बहता है। दुर्गंध उठती है। सफाई न होने के कारण हालात और भी बिगड़ रहे हैं। गंदे पानी से बचकर गली में आना–जाना पड़ता है। –गोपाल खंडेलवाल

सीवर का गंदा पानी गली में बहता है। बैक फ्लो के चलते घर के टॉयलेट जाम हो जाते हैं। पैसे खर्च करके साफ–सफाई करानी पड़ती है। गंदे पानी के चलते क्षेत्र में दुर्गंध उठती है। मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है।–जगत नारायण त्रिपाठी

सीवर का पानी गली में बहता है। कई परिवार गंदगी के बीच रहने को विवश हैं। नाली भी जाम रहती है जिससे पानी की निकासी नहीं हो पाती। सफाई का अभाव रहता है। जल्द से जल्द समस्या का निदान होना चाहिए।––रोशन लाल यादव

गली की स्थिति खराब है। सीवर का गंदा पानी गली में बहता है। जिससे आना–जाना मुश्किल होता है। कई घरों में सीवर का पानी घुस भी जाता है। गंदगी का सामना करना पड़ रहा है। सफाई न होने के कारण गंदगी रहती है।–विकास कौशल

गली की सफाई नहीं होती। सीवर का पानी बहता रहता है। जिस पर संबंधित विभाग ध्यान नहीं दे रहे हैं। कई बार शिकायत की गई बावजूद इसके समस्या का समाधान नहीं सका है। नाली गंदगी से बजबजा रही है।––रिंकी यादव

सीवर जाम है जिसके चलते घर के टॉयलेट भी आए दिन जाम हो जाते हैं। सफाई करानी पड़ती है। बारिश होने की दशा में समस्या और बढ़ जाती है। घरों में गंदा पानी घुस जाता है। नाली जाम होने के कारण गंदगी गली में बहती है।–तनिष्क शर्मा

सीवर का गंदा पानी गली में बहता है। यह पानी घर में भी घुस जाता है। गंदगी के बीच रहना मुश्किल हो रहा है। अगर समय रहते इस समस्या को दूर नहीं करया गया तो बारिश के दिनों में स्थिति और भी बिगड़ जाएगी।–रिया वर्मा

गली में सीवर का गंदा पानी बहता रहता है। जिससे दुर्गंध उठती है। लोगों ने इसकी कई बार शिकायत की लेकिन अब तक उसका निरस्तारण नहीं हो सका है। नाली भी जाम है। गंदगी और बदबू के बीच रहना पड़ता है।–मधु शर्मा

आये दिन सीवर जाम हो जाता है। सफाई कर्मी को बुलाकर सफाई करानी पड़ती है। खुद पैसे खर्च करने पड़ते हैं। बच्चों को भी बहते सीवर के गंदे पानी से बचते हुए आना जाना पड़ता है। मच्छरों का भी प्रकोप है।–दीपिका शर्मा

आंदोलन में बिगड़ा पीसीएस का सत्र, पटरी पर लाने में लगेगा समय

प्रयागराज। समीक्षा अधिकारी (आरओ)/ सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) 2023 की प्रारंभिक परीक्षा के दौरान 11 फरवरी 2024 को पेपरलीक की घटना ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के सत्र को पटरी से उतार दिया है। आयोग की सबसे प्रतिष्ठित पीसीएस भर्ती को समय से पूरा करने में आयोग को कम से कम डेढ़ से दो साल का समय लग जाएगा। परीक्षाओं में नॉर्मलाइजेशन (मानकीकरण) के खिलाफ नवंबर में हुए ऐतिहासिक आंदोलन से उबर चुका आयोग अब अपने सत्र को पटरी लाने की रणनीति में जुट गया है। जो परिस्थितियां दिख रही है उसमें अगले साल तक पीसीएस का सत्र नियमित होने की उम्मीद जताई जा रही है। आरओध्एआरओ पेपरलीक के बाद आयोग को पीसीएस 2024 की परीक्षा भी रद्द करनी पड़ गई थी। 22 दिसंबर को पीसीएस–2024 की प्रारंभिक परीक्षा कराने के बाद आयोग अब 29 जून से इसकी मुख्य परीक्षा कराने जा रहा है। कोशिश है कि इस साल के अंत तक पीसीएस 2024 की चयन प्रक्रिया पूरी कर ली जाए। पीसीएस 2024 में हुई देरी का ही नतीजा है कि पीसीएस 2025 की प्रारंभिक परीक्षा 12 अक्टूबर

को प्रस्तावित की गई है। पीसीएस 2025 की मुख्य परीक्षा अगले साल होगी तो निश्चित रूप से पीसीएस 2026 प्रारंभिक परीक्षा पर भी असर पड़ेगा।

हालांकि पीसीएस के सत्र को पटरी पर लाने के लिए आयोग ने पीसीएस 2026 की भर्ती के लिए आवेदन इस साल दिसंबर से ही लेने की तैयारी कर रहा है। आयोग की योजना है कि पीसीएस–2026 की चयन प्रक्रिया कैलेंडर वर्ष 2026 में ही पूरी कर ली जाए। पेपरलीक जैसी घटनाओं को रोकने और परीक्षाओं की शुचिता बनाए रखने के लिए आयोग अब तकनीक का सहारा ले रहा है। इसी क्रम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित निगरानी प्रणाली को अपनाया है जिससे पेपर की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ ही केंद्रों पर अनुशासन बनाए रखने में मदद मिलेगी।

रिकॉर्ड समय में परिणाम देने वाले आयोग का बिगड़ा रिकॉर्ड

प्रयागराज। रिकॉर्ड समय में परिणाम देने वाले उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग का ट्रैक रिकॉर्ड एक पेपरलीक ने बिगाड़ दिया। आयोग ने पीसीएस 2023 का अंतिम परिणाम महज आठ महीने नौ दिन में घोषित करके कीर्तिमान बनाया था। इसकी प्रारंभिक परीक्षा 14 मई 2023 को हुई थी और अंतिम चयन परिणाम 23 जनवरी 2924 को घोषित हो गया था। उससे पहले पीसीएस–जे परीक्षा–2022 का परिणाम लगभग सात महीने में घोषित हुआ था। पीसीएस–जे की प्रारम्भिक परीक्षा 12 फरवरी 2023 को हुई थी और अंतिम चयन परिणाम 30 अगस्त 2023 को घोषित हुआ था। पीसीएस 2022 का परिणाम भी तकरीबन दस महीने में जारी हुआ था। पीसीएस 2022 की प्रारम्भिक परीक्षा 12 जून 2022 को हुई थी और अंतिम परिणाम सात अप्रैल 2023 को जारी हुआ था।

भारत विकास परिषद की प्रयाग शाखा में नए दायित्वधारियों ने शपथ ली

–राज नारायण अध्यक्ष, प्रो सुनील कांत सचिव एवं डॉ. पुरुषोत्तम कोषाध्यक्ष

प्रयागराज। भारत विकास परिषद प्रयाग शाखा के सत्र 2025–26 के नवीन दायित्वधारियों का शपथ ग्रहण समारोह होटल प्रयाग इन में सम्पन्न हुआ । प्रयाग प्रांत के अध्यक्ष श्री आर एस सिंह ने सत्र 2025–26 के लिए श्री राज नारायण अग्रवाल को अध्यक्ष, प्रोफेसर सुनील कांत मिश्रा को सचिव एवं डॉ पुरुषोत्तम दास केसरवानी को कोषाध्यक्ष पद पर शपथ ग्रहण कराया। पांच नए सदस्यों ने भी इस अवसर पर शपथ ग्रहण की। समारोह के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति सुधीर नारायण मुख्य अतिथि ने भारत विकास परिषद के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि परिषद के कार्य भारत निर्माण में बहुत सहायक रहे हैं। इस तरह के कार्यों को आमजन तक भी पहुंचने की आवश्यकता है। विशिष्ट अतिथि पद्मश्री श्याम बिहारी अग्रवाल जी ने साहित्य, कला और संस्कृति को प्रोत्साहित करने वाले कार्यक्रमों को परिषद में बढ़ावा देने की बात की। उन्होंने जीवन में कला की महत्ता को प्रकाशित किया। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष डॉ अल्पना अग्रवाल ने कहा कि पिछले दो वर्षों में भारत विकास परिषद प्रयाग शाखा के सदस्यों के सहयोग से किए गए कार्यों हेतु प्रयाग प्रांत द्वारा शाखा को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। हम सभी को

उन्नत एवं विकसित भारत हेतु संकल्प बद्ध होकर कार्य करने की आवश्यकता है। सी.ए. नवीन चंद्र अग्रवाल पूर्व अध्यक्ष द्वारा विगत दो वर्षों में विशिष्ट जनों द्वारा विशेष सहयोग हेतु उनका अंग वस्त्रम प्रदान कर सम्मान किया गया। पूर्व सचिव प्रोफेसर विवेक भदोरिया ने सत्र 2024–25 की वार्षिक आख्या प्रस्तुत की। अध्यक्ष श्री राज नारायण अग्रवाल ने अपने संबोधन में सभी सदस्यों को आश्वस्त किया कि पिछले वर्षों की भांति वर्तमान वर्ष में भी और बेहतर कार्य करने की कोशिश की जाएगी। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर सुनीलकांत मिश्रा ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर पुरुषोत्तम दास जी द्वारा किया गया। प्रोफेसर राजेश गर्ग ने श्री सुधीर नारायण का एवं डॉ जगदीश्वर द्विवेदी ने श्री श्याम बिहारी अग्रवाल जी का परिचय प्रस्तुत किया। इस अवसर पर नए सदस्यों, विशिष्ट अतिथि, मुख्य अतिथि को प्रतीक चिन्ह एवं शाल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में एडवोकेट आरपी अग्रवाल, प्रो पूनम मित्तल, प्रो अशोक मित्तल, डॉ भाष्कर बनर्जी, निशीथ जौहरी, विनोद कुमार, दिनेश मिश्रा, प्रवीण कुमार, दिनेश रस्तोगी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

विधि और कॉमर्स विभाग में पहली बार 'विशेष नियमित शिक्षक भर्ती

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) में नई शिक्षक भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू हो गया है। खास बात यह है कि विधि संकाय में संचालित होने वाले पांच वर्षीय एकीकृत कोर्स (इंटीग्रेटेड) के विषय विशेषज्ञों के पदों पर भी नियमित नियुक्ति की जाएगी। वहीं, वाणिज्य एवं बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में चार विशेषज्ञों की भर्ती होगी। इन दोनों संकाय की ओर से संचालित पाठ्यक्रमों के लिए अलग–अलग विषयों में आठ असिस्टेंट प्रोफेसरों की नियुक्ति के लिए आवेदन मांगे गए हैं। विधि संकाय के अंतर्गत बीएएलएलबी (लॉ फाइव ईयर) में विद्यार्थियों को दर्शनाशास्त्र, समाजशास्त्र, अंग्रेजी और राजनीति विज्ञान पढ़ाया जाता है। इन चारों विषयों के लिए इस बार विशेष नियमित शिक्षक भर्ती की जा रही है। सभी विषयों के लिए असिस्टेंट प्रोफेसर के एक–एक पदों पर भर्ती होगी। वहीं, वाणिज्य एवं व्यवसाय प्रशासन विभाग के अंतर्गत विपणन प्रबंधन, परिचालनध्लॉजिस्टिक्स प्रबंधन, वित्त लेखा और सिस्टम प्रबंधन के लिए नियमित असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती के लिए आवेदन मांगे गए हैं। इसमें भी हर विषय के असिस्टेंट प्रोफेसर के एक–एक पद हैं। पीआरओ प्रो. जया कपूर ने बताया कि वाणिज्य एवं बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन और पांच वर्षीय बीएएलएलबी कोर्स में चार–चार विषयों में एक–एक पद संबंधित विषय विशेषज्ञ के लिए हैं। क्योंकि ये विषय इन कोर्स में पढ़ाए जाते हैं। इन विषयों में विशेषज्ञों की नियुक्ति से छात्रों को पढ़ने के लिए स्थायी शिक्षक मिल सकेंगे। यानी दोनों पाठ्यक्रमों में आठ विशेष नियमित शिक्षकों की नियुक्ति होगी।

धूमधाम से मनाई गई डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती

मुजफ्फरनगर सआज एस0 डी0 इण्टर कॉलेज मुजफ्फरनगर में प्रधानाचार्य श्री सोहनपाल सिंह जी के निर्देशन में भारतीय संविधान के शिल्पकार बाबा साहेब डॉ0 भीम राव अंबेडकर जी की 134 वीं जयंती हर्षोल्लास से मनाई गई। बाबा साहेब ने सामाजिक समरसता एवं छुआछूत का प्रबल विरोध किया।संविधान में प्रत्येक भारतीय नागरिक को चाहे वो किसी भी धर्म, जाति,क्षेत्र का ही समान अधिकार प्रदत्त किए गए हैं,किसी भी प्रकार का भेदभाव संविधान में नहीं है,यह देन बाबा साहेब की है। उनके जीवन परिचय, भारतीय समाज और संविधान में उनकी अग्रणी भूमिका की विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक गण सर्व श्री अशोक कुमार सैनी,मुजफ्फर अली,तेजपाल सिंह उपाध्याय,संजय सिंह,प्रेरणा शर्मा,सहस्रपाल सिंह,राजकुमार कोरी,सत्येश्वर कुमार,विनीता राय,रोशन लाल,संजीव कुमार,मनीष कुमार गर्ग,नितिन गुप्ता कार्यालय प्रभारी,शिवकुमार,प्रदीप कुमार, डॉ0 राहुल कुशवाहा,अमित शर्मा एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया।

पुलिस उपायुक्त नगर प्रयागराज को अग्नि सुरक्षा स्मृति दिवस पर पिन फ्लैग लगाया गया

प्रयागराज। अग्निशमन सेवा स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में डॉ आर के पांडेय सीएफओ कमिश्नरेट प्रयागराज के द्वारा फायर स्टेशन सिविल लाइन पर पुष्प अर्पित कर 02 मिनट का मौनधारण कर श्रद्धांजलि दिया गया। एवं अन्य समस्त 09 फायर स्टेशन नैनी मेजा बारा कोरांव हंडिया फूलपुर सोरांव व मा0 हाइकोर्ट पर भी अग्निशमन सेवा स्मृति दिवस मनाया गया।इसके पश्चात अग्निशमन वाहनों को जनपद में प्रचार प्रसार हेतु राजेश कुमार अग्निशमन अधिकारी के नेतृत्व में रवाना किया गया, अवध नारायण अग्नि शमन द्वितीय अधिकारी द्वारा नगर में प्रमुख चौराहों पर प्रचार प्रसार का कार्य किया गया एवं सभी तहसील स्तर के फायर स्टेशन, नैनी हंडिया,फूलपुर, सोरांव,करछना, मेजा, बारा, कोराव, द्वारा प्रत्येक तहसील में किया गया।

जलियांवाला बाग कांड के देशभक्त शहीदों व अभिनेता मनोज कुमार को श्रद्धांजलि देकर किया गया नमन

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रीय पर्व आयोजन समिति ने समिति के संस्थापक व प्रदेश अध्यक्ष इं० एच० एन० सिंह, मुख्य अभियन्ता, सिंचाई एवं जल संसाधन, उ० प्र० के निर्देशानुसार समिति के जिलाध्यक्ष, मशहूर कोरियोग्राफर मोहन अरोरा के सफल संयोजन में गांधी कालोनी स्थित मैजिक डांस एकेडमी पर जलियांवाला बाग कांड के शहीदों को श्रद्धा–सुमन अर्पित कर स्मरित किया गया, समिति के प्रदेश उपाध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार राजीव मोहन गोयल ने कहा कि जलियांवाला बाग कांड करके अंग्रेजी हुकुमत ने अपनी कब्र खोदी और यहीं से विलायती शासन की उल्टी गिनती शुरू हुई। राष्ट्रीय पर्व आयोजन समिति के प्रदेश संयुक्त सचिव इं० बसन्त कुमार गोयल ने देशभक्ति से ओतप्रोत बॉलीवुड फिल्म निर्माता–निर्देशक एवं अभिनेता मनोज कुमार के आकस्मिक निधन पर शोक प्रस्ताव रख उन्हें श्रद्धांजलि दी। सभी ने सामुहिक रूप से महान अभिनेता मनोज कुमार को मरणोपरांत देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित करने की केन्द्र सरकार से मांग की। मुजफ्फरनगर के वरिष्ठ हास्य कलाकार रमेश केस्टो, वरिष्ठ पत्रकार शरद शर्मा, कोरियोग्राफर विशा, पत्रकार रचित गोयल आदि उपस्थित रहे।

बाबा साहब के आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प

–जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने डीग गेट स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर की मूर्ति पर किया माल्यार्पण

मथुरा। भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती धूमधाम एवं हर्षोल्लास से मनाई गई। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने कलेक्ट्रेट सभागार में भारतीय संविधान के शिल्पी, भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व योगानंद पांडेय, अपर जिलाधिकारी प्रशासन विजय शंकर दुबे, अपर जिलाधिकारी नमामि राजेश कुमार, अपर जिलाधिकारी न्यायिक सुरेंद्र कुमार, नगर मजिस्ट्रेट राकेश कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा पुष्प अर्पित कर नमन किया गया। जिलाधिकारी ने बाबा साहब के जन्म दिवस पर बधाई देते हुए कहा कि हमें बाबा साहब के बताए गए रास्तों पर चल कर देश प्रदेश एवं अपने जनपद को आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि समाज के सभी वर्ग एक ही पंक्ति में खड़े हो सकें, यह बाबा साहब के विचार थे। संविधान निर्माण में उन्होंने सभी धर्म, वर्ग, जाति को एक समान करने का विशेष ध्यान रखा। ऐसे महान व्यक्ति को नमन करते हुए उन्होंने कहा कि देश एवं प्रदेश तथा जिले का चहुमुखी विकास के लिए शत प्रतिशत लोगों को शिक्षित होना बहुत जरूरी है। कलेक्ट्रेट सभागार के आयोजन के उपरांत जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने डीग गेट स्थित आंबेडकर पार्क में स्थापित डॉ. भीमराव आंबेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धा पूर्वक श्रद्धांजलि दी। उन्होंने उपस्थित लोगों से वार्ता की तथा सभी को बधाई दी।

जब तक सभ्य समाज रहेगा, तब तक न्याय व्यवस्था समाप्त नहीं होगीः न्यायमूर्ति गौतम चौधरी

मूट कोर्ट विधि विद्यार्थियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैः प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे

सीएमपी डिग्री कॉलेज में राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता संपन्न, यूनाइटेड विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने जीती राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता

प्रयागराज। सीएमपी डिग्री कॉलेज, प्रयागराज के मुख्य परिसर में प्रथम चौधरी महादेव राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता संपन्न हुई। मुख्य परिसर स्थित एकेडमिक ऑडिटोरियम हॉल में हुए समापन समारोह में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश बतौर मुख्य अतिथि श्री गौतम चौधरी जी और विशिष्ट अतिथि श्री अनीश कुमार गुप्ता जी शामिल हुए। माननीय न्यायाधीश गौतम चौधरी को प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे ने स्मृति चिह्न और पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। डीन विधि संकाय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रो. आदेश कुमार को डॉ शिव शंकर सिंह ने स्मृति चिह्न और पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे को रेनू सिंह ने स्मृति चिह्न और पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया।

इस मौके पर मुख्य अतिथि इलाहाबाद हाईकोर्ट के माननीय न्यायाधीश डॉ गौतम चौधरी ने कहा कि विधि के छात्र भारत के भविष्य है, बहुत से छात्र उच्च न्यायालय तथा उच्चतम न्यायालय में जाएंगे, एक सभ्य समाज के लिए विधि व्यवस्था अत्यंत आवश्यक है। बच्चों ने अच्छे तर्क दिया जिससे स्पष्ट है कि भारत की विधिक व्यवस्था अच्छे हाथों में है। एक अधिवक्ता दूसरे का शत्रु नहीं होता है, अधिवक्ता को स्पर्धा करनी चाहिए ना की ईर्ष्या।

विशिष्ट अतिथि इलाहाबाद हाईकोर्ट के माननीय न्यायाधीश अनीश कुमार गुप्ता ने कहा कि सहभाग करने वाले विद्यार्थियों को मूट कोर्ट बहुत कुछ सिखाता है। यह मंच विद्यार्थियों को प्रायोगिक जानकारी देता है। उन्होंने विद्यार्थियों उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे ने विधि विद्यार्थियों का उत्सावर्धन किया। उन्होंने कहा कि कानून का क्षेत्र केवल विश्वास पर आधारित है। अपनी छवि को बनाए रखना ही सबसे महत्वपूर्ण है, ऐसे में विधि क्षेत्र में अपनी सकारात्मक छवि को बनाए रखें। उन्होंने कहा कि किताबें डिजिटल प्लेटफार्म से अतिरिक्त जानकारी उपलब्ध करवा देती हैं। ऐसे में किताबें से लगाव बनाए रखें।

विशिष्ट अतिथि जितेंद्र नाथ चौधरी ने कहा कि मूट कोर्ट न्याय व्यवस्था का एक पूर्व अभ्यास है इससे बच्चों में आत्मविश्वास आता है

कार्यक्रम की अध्यक्ष बीए एलएलबी, समन्वयक रेनू सिंह ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि आपको सक्षम वकील बनने के लिए स्वयं को सक्षम बनाना होगा। कार्य के साथ परिश्रम आवश्यक है और कार्य के साथ हमें जिम्मेदारी भी आती है। अपनी गलतियों को पहचानों और स्वयं को सक्षम बनाओ। उन्होंने कहा कि बोलने, शोध करने और तथ्यों को सही तरीके से रखने सीखना बहुत जरूरी है। उन्होंने एक कथन ''किसी दिये का कोई अपना मकां नहीं होता, जहां होती है वहीं रोशनी लुटाता है'' के माध्यम से जीवन को महत्व बताया। उन्होंने कहा कि रविद्र नाथ टैगोर का जीवन हमें सच के साथ खड़ा रहने की प्रेरणा देता है। विधि के विद्यार्थियों को सदैव निष्पक्ष रहना सिखाता है। उन्होंने विद्यार्थियो को सीख दी कि स्वयं को अपने व्यवसाय के प्रति वफादार बनाएं।

डीन, विधि संकाय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रो. आदेश कुमार ने कहा कि मानव द्वारा निर्मित विधि पूर्ण नहीं होती इस विधि व्यवसाय पूर्ण बनाते हैं। अधिवक्ताओं को बिना पक्षपात के समाज का भला करना चाहिए।

अध्यक्ष भाषण में सीएमपी गवर्निंग बॉडी के अध्यक्ष चौधरी राघवेंद्र नाथ सिंह ने कहां की मूट कोर्ट से परिपक्व अधिवक्ता तैयार होते हैं।

'ये रहे मूट कोर्ट प्रतियोगिता के परिणाम–'

मूट कोर्ट प्रतियोगिता में यूनाइटेड यूनिवर्सिटी की टीम विजेता रही। टीम को 51 हजार रूपये पुरस्कार के रूप में प्रदान किया गए। एसएस खन्ना गर्ल्स डिग्री कॉलेज की टीम को उपविजेता घोषित किया गया। टीम को 25 हजार रूपये बतौर पुरस्कार प्रदान किए गए। स्वरूप, लॉ कॉलेज देहरादून को सर्वक्षेष्ठ शोधार्थी का अवार्ड प्रदान किया गया। टीम को 7 हजार रूपये पुरस्कार के तौर पर मिला। सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार की टीम को बेस्ट मेमोरियल अवार्ड प्रदान किया गया। टीम को 7 हजार रूपये का पुस्कार प्रदान किया गया। आस्था गुप्ता, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार को सर्वश्रेष्ठ वक्ता का पुरस्कार दिया गया। उन्हें 7 हजार रूपये का पुरस्कार प्रदान किया गया।

'राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन–'

राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता की आयोजन सचिव रेनू सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने मूट कोर्ट की प्रतियोगिताओं के लिए समय देने के लिए न्यायधीशों का भी धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का मंच संचालन अनुश्री पांडे ने किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। मूट कोर्ट सोसायटी की रेनू सिंह, दिग्विजय श्रीवास्तव, अनुश्री पांडे, डॉ हरि दर्शन त्रिपाठी, डॉ बबीता श्रीवास्तव, डॉ प्रमोद कुमार, विनय त्रिपाठी, हिमांशु उपाध्याय, ऋषभ द्विवेदी, अभिषेक वर्मा एवं सागर श्रीवास्तव एवं छात्रों में प्रतिभा वर्मा, गौरी जायसवाल, दीप्ती द्विवेदी, प्रत्यक्षा तिवारी, सौम्या, कीर्ति गुप्ता, आदित्य राय, रवि यादव, अभिषेक शर्मा, अनमोल त्रिपाठी, सनी दिवाकर एवं आयुष विश्वकर्मा ने मूट कोर्ट के आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई।

उर्दू साहित्य के एक बड़े शायर थे ताबिश इकरामी: गणेश गम्भीर

एक अच्छा इंसान और मिलनसार शायर हमारे बीच से चला गया– भोलानाथ कुशवाहा

मिर्जापुर। जनपद के मशहूर शायर जनाब ताबिश इकरामी की याद में रविवार को इम्तियाज अहमद गुमनाम के तरकापुर स्थित आवास पर गोष्ठी का आयोजन किया गया,जिसमें अनेक वक्ताओं ने उनकी शायरी के साथ उनके व्यक्तित्व पर चर्चा की। वक्ताओं ने उनके साथ रहे क्षणों को याद करते हुए उन्हें एक नेक दिल इंसान कहा। गोष्ठी के अध्यक्ष वरिष्ठ साहित्यकार गणेश गम्भीर ने कहा कि वह एक बड़े शायर थे। देश के जाने माने शायर हुरमतुल इकराम के वे शागिर्द थे। उर्दू शायरी करने वालों को वे इसकी बारीकियों को समझ कर लिखने की सलाह देते थे। वरिष्ठ साहित्यकार भोलानाथ कुशवाहा ने कहा कि एक अच्छा इंसान और मिलनसार शायर हमारे बीच से चला गया। सैयद कासिम अली ने उनके साथ की कई रोचक घटनाओं का जिक्र करते सुनाया, ष्अदबो हुनर की शान बढ़ा कर चले गये। मुहिब मिर्जापुरी ने सुनाया– ष अहले सुखन की बज्म सजा कर चला गया। इल्मो अदब की समा जला कर

गये। फन जिसके थे माहिर सबको सिखा कर चले गये। गीत गजल की दुनिया में सबके थे करीब। उर्दू अदब में नाम ताबिश अपना कमा कर चले चला गया। अनवर असद सेराज और शाहिद के साथ साथ उर्दू का एक और सुखनवर चला गया। इसके अलावा दानिश जैदी ने बताया कि वे उनके पिता से मिलने आया करते थे। जनता साप्ताहिक के संपादक अता उल्लाह सिद्दीकी ने कहा कि उनकी गजलें जनता में हमेशा छपती थीं। गुमनाम मिर्जापुरी ने कहा कि वह उनके घर अक्सर आया जाया करते थे। उनसे काफी कुछ सीखने को मिला।आनन्द केसरी ने कहा कि उनके घर की कवि गोष्ठियों में ताबिश साहब का आना होता था।शहजाद मिर्जापुरी ने बताया कि उनसे मैंने शायरी सीखा। इरफान कुरैशी ने ताबिश साहब की गजल सुनाया। डा रहमानी, नन्दलाल सिंह चंचल, अश्क रज्जाकी, मा हुसैन अहमद आदि ने भी अपने विचार रखे। गोष्ठी का संचालन वरिष्ठ शायर मुहिब मिर्जापुरी ने किया। अन्त में दिवंगत आत्मा की शान्ति के लिए दो मिनट मौन रह कर प्रार्थना की गयी।

डॉ. अंबेडकर की जयंती पर संगोष्ठी का आयोजन

प्रतापगढ़ सडॉ भीमराव रामजी अंबेडकर की जयंती के अवसर पर सत्प्रेरणा,प्रतापगढ़ द्वारा हिंदुत्व– एक विमर्श विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गयाद्य कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के क्षेत्र संपर्क प्रमुख मनोज जी उपस्थित रहे द्य इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए मुख्य अतिथि मनोज जी ने कहा कि डॉ भीमराव रामजी अंबेडकर ने जीवन पर्यंत राष्ट्र और समाज के निर्माण हेतु कार्य किया। उन्होंने समानता और समता रूपी समाज की स्थापना के लिए सतत संघर्ष कियाद्य संविधान के निर्माण में दूर दृष्टि का परिचय देते हुए बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के मार्गदर्शन में भारतीय संस्कृति,सनातन और हिंदुत्व को स्थापित करने वाले 22 चित्र रखे गए, जिनमें प्रमुख रूप से भगवान श्री राम, लक्ष्मण, माता सीता, हनुमान जी, गौतम बुद्ध, महावीर स्वामी, नालंदा विश्वविद्यालय आदि प्रमुख हैंद्य यह इस बात को स्पष्ट रूप से स्थापित करते हैं कि भारत की सांस्कृतिक गौरवशाली परंपरा को स्थापित करने में डॉक्टर भीमराव रामजी अंबेडकर ने महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया थाद्य किंतु कालांतर में तत्कालीन सरकारों ने संविधान से वह चित्र हटा दिए द्यभारत के विभाजन पर डॉ अंबेडकर का स्पष्ट अभिमत था कि देश के विभाजन के लिए इस्लामी कट्टरता जिम्मेदार हैद्य संविधान के निर्माण के साथ उन्होंने सशक्त लोकतंत्र की स्थापना में अपने महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया द्यडॉ अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर समाज को एकता के सूत्र में बांधकर सशक्त और समृद्ध भारत के निर्माण की दिशा में हम सभी को आगे बढ़ना द्यआरंभ में विमर्श के विभाग संयोजक डॉ पीयूष कांत शर्मा जी ने विषय प्रवर्तन और अतिथियों का स्वागत कियाद्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग बौद्धिक प्रमुख डॉ सौरभ पांडेय ने आभार प्रकट किया द्यकार्यक्रम का सफल संचालन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला संपर्क प्रमुख डॉ रंगनाथ शुक्ल ने किया द्य इस अवसर पर विभाग प्रचारक प्रवेश, जिला संघचालक चिंतामणि द्विवेदी, नगर संघचालक राज नारायण सिंह, सह नगर संघचालक विजय सिंह, सदर विधायक राजेंद्र मौर्य, भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव, पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा हरिओम मिश्र, पूर्व विधायक बृजेश सौरभ, शिशिर खरे, भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय मंत्री आलोक कुमार पांडेय, भाजपा नेता आशुतोष त्रिपाठी, शिवशंकर सिंह, स्वामीनाथ शुक्ल, शिव प्रकाश मिश्र सेनानी, पवन गौतम, योगेश योगी, युवा भाजपा नेता रमेश पटेल, अनामिका उपाध्याय, सुनील दूबे,अश्विनी केसरवानी, शरद केसरवानी, संजीव आहूजा, रतन जैन, अमित शुक्ल,रिचा सिंह, पांडेय, ,युवराज राजेश सिंह, रमा मिश्रा, वंदना मिश्रा, पूनम इंसान, राहुल मौर्य, डॉ आर पी सिंह,अजय पांडेय,रमेश सिंह, अभिषेक सिंह, शैलेश सिंह आदि सहित भारी संख्या मे लोग उपस्थित रहे।

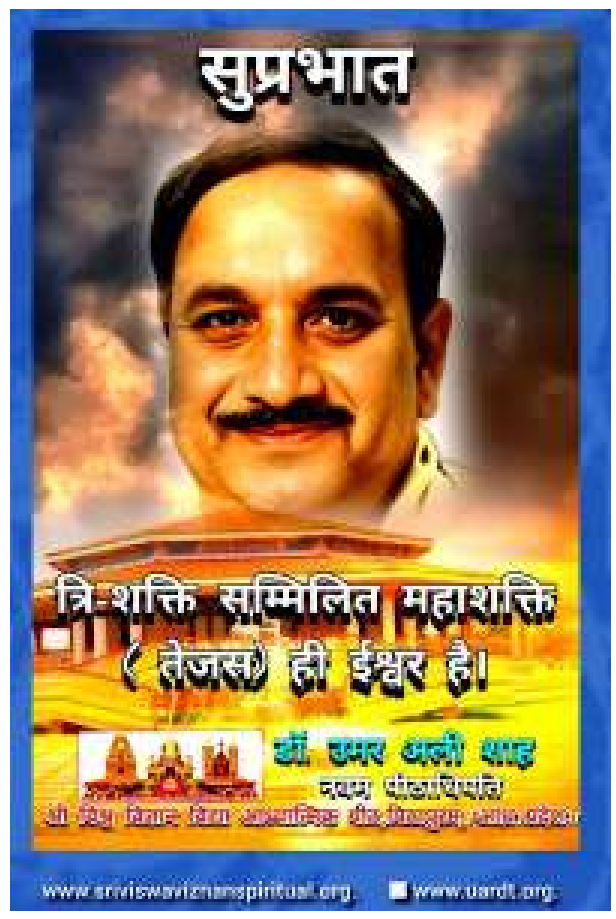

महिमा गुरु की है बड़ी

(कुण्डलिया)

छोटे हों या हों बड़े, निर्धन या धनवान।
महिमा गुरु की है बड़ी,रखिए हरदम ध्यान।
रखिए हरदम ध्यान, बनो मत खुद अति ज्ञानी।
आदर के ही साथ, उन्हें दो दाना–पानी।
कहते सदा प्रदीप,न होते हैं गुरु खोटे।
अंतस में भर ज्ञान, बनें रहते हैं छोटे।।

हँसती गाती जिन्दगी, जिन्दादिल इन्सान।
पूरी एक किताब है,जीवन का विज्ञान।
जीवन का विज्ञान,मोक्ष की बातें करके।
करिए सबकुछ दान,कर्म को ऊपर रखके।
कहते आज प्रदीप, उम्र दिन–प्रतिदिन ढलती।
लेकिन भय से मुक्त, हमेशा सहती हँसती।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

राष्ट्रीय सैनिक संस्था ने मनाया आजाद हिन्द फौज स्थापना दिवस

मोरना। तीर्थनगरी शुकतीर्थ स्थित कारगिल वीर बलिदानी स्मारक पर राष्ट्रीय सैनिक संस्था मुजफ्फरनगर इकाई द्वारा आजाद हिन्द फौज व आजाद हिन्द सरकार के स्थापना दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें पूर्व सैनिकों सहित साधु संत, महात्माओं, शिक्षकों एवं समाजसेवियों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि प्रसिद्ध समाजसेवी कुंवर देवराज पंवार ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को वैश्विक मंच पर ले जाकर इसे नई दिशा और ऊर्जा प्रदान की। उनके जीवन और कार्यों ने लाखों भारतीयों को स्वतंत्रता के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रीय सैनिक संस्था के प्रदेश अध्यक्ष कैप्टन के. पी. सिंह ने कहा कि नेताजी सुभाषचन्द्र बोस ने ब्रिटिश शासन के

खिलाफ कई आंदोलनों में भाग लिया और कई बार जेल गए। उनकी निर्भीकता और दृढ़ता ने उन्हें जन–जन का नेता बनाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मण्डल अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह राठी ने कहा कि नैतिकता व्यवहार में लानी चाहिए। हमारे अन्दर देशप्रेम का जज्बा होना चाहिए। हमें नेताजी सुभाषचन्द्र बोस के जीवन से प्रेरणा लेकर अपने बच्चों को शिक्षा देनी चाहिए विशिष्ट अतिथि डॉ. जीतसिंह तोमर, स्वामी अशोकनन्द सरस्वती, स्वामी भजनानन्द महाराज ने नेताजी सुभाषचन्द्र बोस के जीवन को बलिदान और देशभक्ति का प्रेरणास्रोत बताया। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश सचिव प्रमेन्द्र राठी ने किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष अशोक कुमार, उपाध्यक्ष रूकमकेश, कैप्टन प्रदीप वशिष्ठ, कैप्टन डी.पी. राठी, प्रदेश सचिव किरणपाल पंवार, प्रदेश सचिव हरिप्रकाश चौहान, मांगेराम, हवलदार सुनील कुमार, जयपाल सिंह, राजकुमार, ईशम सिंह, कोषाध्यक्ष ब्रजवीर सिंह, मनोज राठी, सतेन्द्र गोयल, सी.पी. राठी, नीरज लोकपाल, गिरिश उप्रेति, सच्चा प्रकाश आश्रम की संचालक साध्वी पूजा, संजीव कुमार, महेश राजपूत, अनीता गोयल आदि मौजूद रहे।

'क्रांतिकारी शालू सैनी का हर मृतक से है पुनर्जन्म का रिश्ता'

क्रांतिकारी शालू सैनी ने हर रोज की तरह आज फिर शहर कोतवाली व थाना मंसूरपुर से मिली जानकारी के बाद बहन बन दो लावारिस पुण्य आत्माओं को अपने हाथों से दी मुखाग्नि

मुजफ्फरनगर। जनपद के मौहल्लाा दक्षिणी कृष्णा पुरी निवासी साक्षी वेलफेयर ट्रस्ट की राष्ट्रीय अध्यक्ष लावारिसों की वारिस क्रांतिकारी शालू सैनी द्वारा निस्वार्थ भाव से सेवा करने का सिलसिला लगातार जारी हैं। समाज सेवियों द्वारा एक मुहावरा बार बार दोहराया जाता हैं कि नर 'सेवा नारायण सेवा' मगर यह कहना गलत न होगा कि नर सेवा नारायण सेवा लावारिसो की वारिस क्रांतिकारी शालू सैनी के द्वारा ही की जा रही है, क्योंकि बिना किसी दिखावे एवं निस्वार्थ भाव से की गई सेवा ही नर सेवा कहलाई जाती हैं। लावारिसों की वारिस क्रांतिकारी शालू सैनी को थाना मंसूरपुर व थाना कोतवाली से मिली जानकारी दो अलग अलग क्षेत्रों से लावारिसों को अपना नाम देकर उनकी बहन बन विधि विधान से अंतिम संस्कार किया गया।क्रांतिकारी शालू सैनी ये सेवा स्वयं के खर्चे व समाज से सहयोग मांगकर करती है उन्होंने आम जन से भी प्रार्थना की है कि नेक सेवा में लकड़ी घी सामग्री कफन एम्बुलेंस आदि जो भी इच्छा हो मदद जरूर करे ताकि ईश्वरीय सेवा ऐसे ही चलती रहे संपर्क क्रांतिकारी शालू सैनी 8273189764 गुगल पे फोन पे

सम्पादकीय.....

यूपी बनेगा देश की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन

उत्तर प्रदेश की आर्थिक प्रगति देश भर में चर्चा का विषय है। प्रकृति एवं परमात्मा की असीम अनुकंपा के बावजूद उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था सातवें या आठवें स्थान पर झूलती रही। इस दौरान इसका कुल आकार भी 12 हजार करोड़ रुपये से लेकर 12.5 हजार करोड़ रुपये के बीच ही रहा। पर, मार्च 2017 में योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद इसमें अभूतपूर्व बदलाव आया। आज 27.5 हजार करोड़ रुपये की अर्थव्यवस्था के साथ यूपी देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला राज्य है। देश की जीडीपी में उत्तर प्रदेश का योगदान 9. 2 फीसद है। जीडीपी की ग्रोथ राष्ट्रीय औसत 9.6 फीसद की तुलना में 11.6 फीसद है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसे 2030 तक देश की नंबर वन अर्थव्यस्था वाला राज्य बनाने को कृत संकल्पित हैं। अभी एक अप्रैल को भी बरेली में एक कार्यक्रम के दौरान इस बात को दोहराया था। अब तो निजी तौर पर आर्थिक विशेषज्ञ और संस्थाएं भी यह मानने लगी हैं कि उत्तर प्रदेश में विकसित भारत का ग्रोथ इंजन बन सकता है। हाल ही में लखनऊ में योजना विभाग की ओर से आयोजित कार्यशाला में नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार ने भी यह बात कही थी। उन्होंने कहा था कि करीब 56 फीसद युवा आबादी, नौ तरह के अलग कृषि जलवायु क्षेत्र, पानी की भरपूर उपलब्धता आदि के जरिये यह संभव है। उन्होंने अलग–अलग जिलों को आर्थिक गतिविधियों का केंद्र बनाने के लिए जिस एक्शन प्लान का जिक्र किया था, उस पर योगी सरकार पहले से काम कर रही है। एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना और एक जिला–एक जीआई (जियोग्राफिकल इंडिकेशन) इसकी कड़ी है। अब तो सरकार इससे भी आगे एक जिला एक पकवान के बाबत सोच रही है। ओडीओपी योजना प्रदेश की सफलतम योजना है। इसकी तारीफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भर कर चुके हैं। इंडोनेशिया जैसे देश भी इसकी इसके मुरीद हैं। नीति आयोग ने राजकोषीय स्थित के संबंध में जारी रिपोर्ट में यूपी को फ्रंट रनर राज्य की श्रेणी में रखा है। भारतीय रिजर्व बैंक ऑफ ने भी कर की प्राप्तियों में उत्तर प्रदेश को देश में दूसरे स्थान पर रखा है। पिछले पांच वर्षों से रेवेन्यू सरप्लस स्टेट की स्थित इस बात का प्रमाण है कि सरकार ने प्रभावी तरीके से कर चोरी, इसके लीकेज को खत्म किया है। इसमें डिजिटलाइजेशन को बढ़ाकर व्यवस्था में पारदर्शिता लाने की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। ऋण और जमा अनुपात (सीडी रेशियो) जो हर दम से प्रदेश की समस्या रही है उसमें भी अच्छा खासा सुधार हुआ है। 2016/2017 में यह 46 फीसद था। 2024 में बढ़कर 61 फीसद हो गया है। मौजूदा वित्तीय वर्ष में सरकार ने इसके लिए 67 से 70 फीसद का लक्ष्य रखा है। अर्थव्यवस्था में सुधार होने से बैंकों ने भी उत्तर प्रदेश के प्रोजेक्ट्स को फाइनेंस करने में रुचि दिखाई है। आरबी आई की अगस्त 2023 की बुलेटिन के अनुसार फंड आकर्षित करने में 16.2 फीसद की हिस्सेदारी के साथ उत्तर प्रदेश देश में पहले स्थान पर है। समग्रता में आप कह सकते हैं कि मुख्यमंत्री योगी की मंशा के मुताबिक उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए पूरी मजबूती के साथ चौतरफा प्रयास जारी है।

डॉ. अंबेडकर की राजनीतिक विरासत और इसकी वर्तमान में प्रासंगिकता

एस आर दारापुरी

हाशिए पर पड़े लोगों की वकालतः अनुसूचित जाति संघ और उनके पहले के दलित वर्गों की पहल जैसे संगठनों के माध्यम से, अंबेडकर ने दलितों और अन्य उत्पीड़ित समूहों को राजनीतिक रूप से संगठित किया।

डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर, जिन्हें अक्सर बाबासाहेब के नाम से जाना जाता है, ने एक न्यायविद, अर्थशास्त्री, समाज सुधारक और राजनीतिज्ञ के रूप में अपनी बहुमुखी भूमिकाओं के माध्यम से भारत के राजनीतिक परिदृश्य पर एक अमिट छाप छोड़ी। उनकी राजनीतिक विरासत सामाजिक भेदभाव के खिलाफ उनकी अथक लड़ाई, भारत के संविधान को आकार देने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका और हाशिए पर पड़े समुदायों, विशेष रूप से दलितों (जिन्हें पहले अछूत के रूप में जाना जाता था) के अधिकारों की वकालत में निहित है। यहाँ उनकी विरासत और समकालीन समय में इसकी प्रासंगिकता का अवलोकन दिया गया है। भारतीय संविधान के निर्मातारू प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में, अंबेडकर 1950 में अधिनियमित भारत के संविधान के प्रमुख निर्माता थे। उन्होंने सुनिश्चित किया कि इसमें समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के सिद्धांत शामिल हों, जो वैश्विक लोकतांत्रिक आदर्शों से प्रेरित हैं और साथ ही भारत की अनूठी सामाजिक चुनौतियों का समाधान करते हैं। मौलिक अधिकारों, सकारात्मक कार्रवाई (अनुसूचित जातियों और जनजातियों के लिए आरक्षण) और अस्पृश्यता के उन्मूलन (अनुच्छेद 17) को शामिल करने से न्यायपूर्ण समाज के बारे में उनकी दृष्टि प्रतिबिंबित हुई। सामाजिक न्याय के चौंपियनः अंबेडकर की राजनीतिक विचारधारा जाति व्यवस्था को खत्म करने पर आधारित थी, जिसे वे समानता के लिए एक संरचनात्मक बाधा के रूप में देखते थे। उनका प्रसिद्ध उद्धरण, ष्मैं एक हिंदू के रूप में पैदा हुआ था, लेकिन मैं एक हिंदू के रूप में नहीं मरूंगा, हिंदू धर्म के भीतर जाति–आधारित उत्पीड़न की उनकी अस्वीकृति को रेखांकित करता है। उन्होंने 1956 में बौद्ध धर्म अपना लिया, जिससे लाखों दलितों को प्रेरित होकर उनका अनुसरण करने के लिए प्रेरित किया, जिससे एक सामाजिक–राजनीतिक आंदोलन बना जिसे नव–बौद्ध धर्म के रूप में जाना जाता है। हाशिए पर पड़े लोगों की वकालतः अनुसूचित जाति संघ और उनके पहले के दलित वर्गों की पहल जैसे संगठनों के माध्यम से, अंबेडकर ने दलितों और अन्य उत्पीड़ित समूहों को राजनीतिक रूप से संगठित किया। उन्होंने उनके प्रतिनिधित्व, शिक्षा और आर्थिक उत्थान के लिए लड़ाई लड़ी, विशेष रूप से 1932 के पूना समझौते (जिसे बाद में आरक्षित सीटों में संशोधित किया गया) में दलितों के लिए अलग निर्वाचन क्षेत्र सुरक्षित किया। आर्थिक और श्रम सुधाररू भारत के पहले कानून मंत्री और एक प्रशिक्षित अर्थशास्त्री के रूप में, अंबेडकर ने सामाजिक सुधार के साथ–साथ आर्थिक समानता पर भी जोर दिया। उन्होंने आठ घंटे के कार्यदिवस सहित श्रम कानूनों में योगदान दिया और असमानता को कम करने के लिए भूमि सुधार और राज्य के नेतृत्व वाले औद्योगीकरण की वकालत की। प्रतिरोध का प्रतीकः महात्मा गांधी के साथ उनकी बहस, विशेष रूप से अलग निर्वाचन क्षेत्रों पर, दलित स्वायत्तता पर उनके अडिग रुख को उजागर करती है। जबकि गांधी ने अस्पृश्यता को हिंदू धर्म के भीतर सुधार की नैतिक विफलता के रूप में देखा, अंबेडकर ने इसे एक प्रणालीगत मुद्दे के रूप में देखा जिसके लिए कट्टरपंथी राजनीतिक समाधान की आवश्यकता थी। अंबेडकर की विरासत 2025 में भी बहुत प्रासंगिक है, क्योंकि भारत और दुनिया असमानता, पहचान की राजनीति और सामाजिक न्याय से जूझ रही है। जाति और सामाजिक असमानतारू कानूनी उन्मूलन के बावजूद, भारत में जाति–आधारित भेदभाव कायम है। दलितों को अभी भी हिंसा, बहिष्कार और आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है, जिससे अंबेडकर का जाति के विनाश का आह्वान एक जीवंत बहस बन गया है। उनसे प्रेरित आंदोलन, जैसे दलित पैंथर्स और समकालीन दलित सक्रियता, उच्च जाति के वर्चस्व को चुनौती देते रहते बढ़ती लोकप्रियता और धर्मनिरपेक्षता और अधिकारों पर बहस के युग में, अंबेडकर का संवैधानिक नैतिकता पर जोर – न्याय, समानता और स्वतंत्रता को बनाए रखना – लोकतांत्रिक अखंडता के लिए एक बेंचमार्क के रूप में कार्य करता है। उनका दृष्टिकोण आरक्षण नीतियों और अल्पसंख्यक अधिकारों जैसे मुद्दों पर न्यायिक और राजनीतिक प्रवचन का मार्गदर्शन करता है। अंबेडकर के विचार भारत से परे गूंजते हैं, जो ब्लैक लाइव्स मैटर आंदोलन जैसे प्रणालीगत उत्पीड़न के खिलाफ वैश्विक संघर्षों को प्रभावित करते हैं। राजनीतिक सशक्तिकरण के साथ सामाजिक सुधार का उनका मिश्रण दुनिया भर में संरचनात्मक नस्लवाद और असमानता को संबोधित करने के लिए एक मॉडल प्रदान करता है। उनका प्रसिद्ध नारा, षशिक्षित करो, आंदोलन करो, संगठित करो,ष आज जमीनी स्तर के आंदोलनों को प्रेरित करता है। शिक्षा हाशिए पर पड़े समुदायों के उत्थान के लिए एक महत्वपूर्ण साधन बनी हुई है, और अंबेडकरवादी संगठन तेजी से प्रतिस्पर्धी दुनिया में समान पहुँच के लिए जोर देते हैं। अंबेडकर की विरासत बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) जैसी दलित राजनीतिक पार्टियों को बढ़ावा देती है और उत्पीड़ित समूहों (बहुजन) के बीच व्यापक गठबंधन–निर्माण को प्रभावित करती है। हालाँकि, दलित राजनीति का विखंडन और मुख्यधारा की पार्टियों द्वारा सह–विकल्प उनके दृष्टिकोण के स्थायी प्रभाव और चुनौतियों दोनों को उजागर करता है।संक्षेप में, अंबेडकर की राजनीतिक विरासत समानता और सम्मान के लिए एक स्पष्ट आह्वान है, जो व्यावहारिकता और क्रांतिकारी सुधार में निहित है।

जलवायु परिवर्तन, सांस के लिए हवा भी नही मिलेगी

संजीव ठाकुर

वर्तमान में पृथ्वी तथा प्राकृतिक संसाधनों के विनाशकारी जलवायु परिवर्तन की गति तथा उसके प्रभाव में गति की तीव्रता तेजी से महसूस की जाती रही है। इसका और कोई कारण ना होकर मानव की अवांछित गतिविधियां ही हैं। जिनमें मूलतः वन का विनिष्टिकरण, जीवाश्म ईंधन का ताबड़तोड़ प्रयोग, नई कृषि नीति तथा पद्धति की तीव्रता से होते हुए उद्योगों की संरचना और कंक्रीट के जंगलों यानी शहरों का विस्तारीकरण बड़े कारण हैं। औद्योगिक क्रांति के बाद विज्ञान से उत्पादित औद्योगिकरण के विकास के साथ मनुष्य ने वायुमंडल के प्रक्रियागत प्रभाव में बदलाव लाना शुरू किया है, जिसके फलस्वरूप पृथ्वी में भूमंडलीय ऊष्मा का विस्तार ओजोन परत का क्षरण, असामयिक बाढ़,अकाल का आना अत्यंत महत्वपूर्ण है। ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा में वृद्धि से हरित गृह प्रभाव की घटना प्रभावित हुई है। ग्रीन हाउस इफेक्ट पृथ्वी की एक सामान्य प्रक्रिया है जिसके कारण पृथ्वी का निचला स्तर मंडल गर्म बना रहता है. तथा जीवन के अनुरूप वायुमंडल में वातावरण जीवन उपयोगी तथा जीवन के अनुकूल बना रहता है। किंतु ग्रीन हाउस इफेक्ट में बदलाव आने के साथ ही मनुष्य के सामने जलवायु परिवर्तन की बड़ी समस्या सामने आई है। इस तरह के परिवर्तन से ही पृथ्वी की परत को हमें बचाना होगा जिससे हम अति उष्णता, गर्म जलवायु और कम उत्पादन की विभीषिका से मानव को बचा सकते हैं। विश्व में विकासशील देश दोहरी चुनौतियों से जूझ रहे हैं, पहली भुखमरी यानी कि गरीबी दूसरी जलवायु में तीव्र परिवर्तन और यह दोनों एक दूसरे से गहरे संबंधित हैं। विकासशील तथा गरीब राष्ट्र एक और गरीबी तथा भुखमरी से लड़ाई लड़ रहे हैं एवं गरीबी से छुटकारा पाकर गरिमामय जीवन जीना चाहते हैं ।इसके लिए वे अपने प्राकृतिक, वैज्ञानिक संसाधनों का दोहन करके विकास की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का प्रयास करते हैं जिससे इनके सम्मुख कई चुनौतियां उत्पन्न हो जाती है। इनके पास पर्याप्त रूप से आर्थिक वित्तीय पूंजी की कमी साथ ही उन्नत तकनीक का अभाव भी है। ऐसे में यह विकासशील राष्ट्र के विकास हेतु परंपरागत विकास साधनों पर आश्रित हो जाते हैं, जैसे विद्युत उत्पादन के लिए कोयले का उपयोग करना, वाहनों में प्रयुक्त ईंधन की गुणवत्ता का निम्न होना, कारखानों की पुरानी मशीनों द्वारा कार्बन, सल्फर, नाइट्रोजन आदि तत्वों की बड़ी मात्रा में वायु को उत्सर्जित करना आदि आते हैं। इन सब के कारण ग्रीन हाउस गैसें निर्मित होने से ग्लोबल वार्मिंग तथा जलवायु परिवर्तन घटनाओं को तीव्रता प्राप्त होती है। जलवायु परिवर्तन के कारण वैश्विक तापक्रम जैसे कारकों में बहुत तेजी से परिवर्तन होता आया है। इसके पश्चात वर्षा की अनिश्चितता तथा अनियमितता में वृद्धि हुई है साथ ही बाढ़ सूखा अकाल सुनामी हिमस्खलन भूस्खलन जैसी प्राकृत आपदाओं का कई देश हर वर्ष सामना करते आ रहे हैं। उनके सम्मुख बड़ी विकट स्थिति उत्पन्न होती आई है, और यही प्राकृतिक आपदाएं उन देशों को फिर से गरीबी के दलदल में ढकेल देती है जहां भुखमरी का बोलबाला होता है। विश्व में कुछ देश ऐसे हैं जिनमें जिंबाब्वे, सीरिया,लीबिया, सोमालिया तथा अधिकांश अफ्रीकी देश, दक्षिण एशियाई लैटिन अमेरिकी देशों में भोजन,रोटी के लिए लंबी–लंबी लाइन लगती देखी गई है। दूसरी तरफ विकसित और अमीर देशों में भी लाइन लगती है, लेकिन वहां पर विडंबना यह है कि यह लाइन रोटी के लिए नहीं बल्कि आईफोन, स्मार्टफोनऔर गैजट्स के लिए लगाई जाती है। अनेक गरीब देशों में सबसे बड़ा संकट विकास बनाम पर्यावरण संरक्षण के मुद्दे को लेकर सामने आया है। जहां यह देश विकास की इच्छा तो रखते हैं पर दूसरी और विकसित देश गरीब देशों को पर्यावरण संरक्षण की सीख दे कर इनके संसाधनों पर रोक लगाने का प्रयास करते हैं। जिससे इनके अस्तित्व तथा संप्रभुता पर गहरी चोट लगती है। यह एक बड़ी चुनौती के रूप में सामने आता है। विकासशील देशों को पर्यावरण संरक्षण जैसी बातें गरीबी के सामने एक चुनौती के रूप में दिखाई देती है। यदि ये देश भुखमरी, गरीबी, कुपोषण, बेरोजगारी जैसे समस्याएं को सुलझाना चाहते हैं तो दूसरी तरफ पर्यावरण संरक्षण के साथ संतुलन बिठाना कठिन हो जाता है। आज विकसित देशों में अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया,न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और अन्य अमीर यूरोपीय देश पर्यावरण संतुलन की बात तो करते हैं पर जहां तकनीकी मदद या संरक्षण की बात को तो यह अपना हाथ पीछे खींचने में भी नहीं चुकते हैं। गरीब तथा विकासशील देश जब भी विकास को प्राथमिकता देने का प्रयास करते हैं तो इसके परिणाम स्वरूप पर्यावरण को क्षति होना लाजमी होता है। इसके अलावा इन्हें वैश्विक महाशक्तियों के दबाव भी झेलने पड़ते हैं। गरीब देशों के उत्पादों को खरीदने में बड़े बाजार या यूं कहें कि विकसित राष्ट्र गुणवत्ता की कमी,तकनीकी कमी कहकर तिरस्कृत तथा वापस करने से नहीं चूकते हैं। इस मामले में विकसित राष्ट्र का विकासशील,गरीब राष्ट्र के बीच एक गहरी खाई बन चुकी है।

दोहे

लिखो लिखो इस जन्म का, इसमें है सब खास।
वर्तमान जो आज का, कल होगा इतिहास।।

गर्व भला किस पर करें, किसको करें निहाल।
यह तन बूढ़ा हो गया, जिसमें सुर थे ताल।।

दुख सुख के इस चक्र में, साबुत बचा न कोय।
फल वैसा ही है मिला, जैसी करनी होय।।

सुख में इतराता रहा, दुख क्यूँ सहा न जाय।
इस जीवन में हर्ष है, इस जीवन में हाय।।

देख गगन को छू लिया, सागर लिया हिलोर।
मानव तन सबसे बड़ा, जिसका ओर न छोर।।

बनो जरा तुम नेक दिल, अगर ईश की चाह।
उसका उसको दे चलो, यही जगत की राह।।

श्वान भूँकता जगत में, गज की सीधी चाल।
अपने पथ चलते रहो, कहो न अपना हाल।।

छोटा बड़ा न इस जगत, केवल लखो शरीर।
बड़ा वहीं है सुन यहाँ, लखे दीन की पीर।।

स्वारथ का संसार है, भूले भटके लोग।
सुख के पीछे दौड़कर, क्यूँ पाते हैं सोग।।

पंडित राकेश मालवीय मुस्कान
प्रयागराज

सत्ता, शहादत और सवालः जलियांवाला बाग की आज की प्रासंगिकता

डॉ. सत्यवान सौरभ

13 अप्रैल 1919, अमृतसर वैसाखी का दिन हजारों लोग जलियांवाला बाग में एकत्र हुए थे कृ कुछ रॉलेट एक्ट के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध के लिए, तो कुछ महज त्योहार मनाने। तभी ब्रिटिश सेना के ब्रिगेडियर जनरल रेजिनाल्ड डायर ने अपनी टुकड़ी के साथ प्रवेश किया, बाग के एकमात्र द्वार को बंद कराया, और बिना किसी चेतावनी के भीड़ पर गोलियां चलवा दीं। लगभग दस मिनट में 1650 गोलियां चलाई गईं। सैकड़ों की जान गई, हजारों घायल हुए। दीवारें खून से लथपथ हो गईं। और भारत के स्वतंत्रता संग्राम में एक निर्णायक मोड़ आया। जलियांवाला बाग हत्याकांड सिर्फ एक ऐतिहासिक त्रासदी नहीं थी, वह साम्राज्यवादी दमन की पराकाष्ठा थी। लेकिन आज, 100 साल से अधिक समय बीत जाने के बाद, हमें खुद से पूछना होगा कृ क्या जलियांवाला बाग केवल इतिहास की एक दुखद कहानी है, या फिर एक ऐसा आईना है जिसमें आज का लोकतंत्र भी देखा जा सकता है? ब्रिगेडियर जनरल डायर ने इस नरसंहार को "आवश्यक कार्रवाई" बताया था। ब्रिटिश साम्राज्य ने उसे डांटा नहीं, बल्कि कुछ ने तो उसे असली देशभक्त भी कहा। यह घटना हमें यह समझाती है कि जब सत्ता को जवाबदेही से मुक्त कर दिया जाता है, तब वह कितनी क्रूर हो सकती है। आज, जब शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारी किसानों पर लाठीचार्ज होता है, विश्वविद्यालयों में छात्रों को पीटा जाता है, पत्रकारों को जेल में डाला जाता है, और असहमति को "देशद्रोह" का नाम दे दिया जाता है, तब यह सवाल उठता है कृ क्या सत्ता की वही 'डायर मानसिकता' आज भी जीवित है? लोकतंत्र की बुनियाद असहमति पर टिकी होती है। यदि लोग सवाल न करें, आलोचना न करें, और सत्ता से जवाबदेही न मांगें, तो लोकतंत्र धीरे–धीरे एक सत्तावादी ढांचे में तब्दील हो सकता है। जलियांवाला बाग में निहत्थे लोग मारे गए क्योंकि उन्होंने सवाल उठाए थे। आज अगर सवाल उठाने वालों को "राष्ट्रद्रोही" कहा जाता है, तो क्या हमने वाकई इतिहास से कुछ सीखा है? जब सवाल पूछना गुनाह बन जाए, और सत्ता खुद को राष्ट्र घोषित कर दे, तब लोकतंत्र के लिए खतरे की घंटी बजती है।

-डॉ. सत्यवान सौरभ, लेखक एवं स्वतंत्र पत्रकार, हरियाणा

2021 में जब जलियांवाला बाग स्मारक का नवीनीकरण किया गया, तो उस पर तीखी आलोचना हुई। रंगीन लाइटें, सजावटी गलियारे, डिजिटल शो कृ सब कुछ जैसे शहादत को इवेंट में बदलने का प्रयास था। इतिहास का काम केवल गौरव गान नहीं है, उसका उद्देश्य चेतावनी देना भी है। जब हम अपने अतीत के दर्द को केवल उत्सव में बदल देते हैं, तो हम उस चेतावनी को नजरअंदाज कर देते हैं। जलियांवाला बाग का नवीनीकरण एक उदाहरण है कि कैसे हम इतिहास की आत्मा खो सकते हैं, अगर हम केवल उसकी सतह पर सजावट करने लगें। ब्रिटिश सत्ता ने विरोध को देश के खिलाफ समझा। आज जब हमारे अपने लोकतांत्रिक संस्थान, जनता की आवाज को ष्असहजष मानकर दबाते हैं, तो वह भी लोकतंत्र का हनन है। इंटरनेट शटडाउन, मीडिया पर नियंत्रण, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला कृ ये सब आधुनिक भारत के नरसंहार हैं। फर्क इतना है कि अब बंदूक की जगह डंडा है, और डायर की जगह सिस्टम है। पिछले वर्षों में हुए आंदोलन कृ जैसे नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ प्रदर्शन, किसान आंदोलन, और विश्वविद्यालयों में छात्रों के आंदोलनों ने यह दिखाया है कि आज भी जब लोग सड़कों पर उतरते हैं, तो सत्ता पहले संवाद नहीं करती, बल्कि बल प्रयोग करती है। जलियांवाला बाग की घटना हमें यह सिखाती है कि सत्ता को चुनौती देना जनता का अधिकार है। और यह अधिकार लोकतंत्र का आधार है। रवींद्रनाथ टैगोर ने इस हत्याकांड के बाद ब्रिटिश सरकार से श्नाइटहुडश की उपाधि लौटा दी थी। महात्मा गांधी ने इसे असहयोग आंदोलन की प्रेरणा माना। भगत सिंह ने इसे अपनी क्रांतिकारी चेतना का प्रारंभिक क्षण बताया। आज अगर कोई नागरिक सरकार से सवाल पूछता है, तो वह "राष्ट्रद्रोही" क्यों ठहराया जाता है? क्या राष्ट्र वही है जो सत्ता कहे? या राष्ट्र वह है जो नागरिक मिलकर बनाते हैं?भारत आज विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, लेकिन यह केवल वोट देने से नहीं बनता। यह बनता है पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और नागरिक स्वतंत्रताओं से। जब सरकारें सवालों से डरने लगती हैं, मीडिया पक्षपाती हो जाता है, और अदालतें मौन हो जाती हैं कृ तब लोकतंत्र का दम घुटने लगता है।जलियांवाला बाग में जो हुआ, वह इसी मौन और अन्याय का नतीजा था। आज भी, जब कोई पत्रकार सच उजागर करता है और उसे जेल में डाला जाता है, तो वह भी एक तरह का नरसंहार ही है कृ सत्य का।बच्चों को जलियांवाला बाग की कहानी केवल एक अध्याय के रूप में नहीं, बल्कि एक चेतावनी के रूप में पढ़ाई जाए। उन्हें सिखाया जाए कि सवाल पूछना देशभक्ति है, गुनाह नहीं।हमें असहमति को स्वीकार करना सीखना होगा। अगर कोई नागरिक सरकार की आलोचना करता है, तो उसे देशद्रोही कहना लोकतंत्र की बेइज्जती है। हर सत्ता को यह समझना होगा कि उसका अस्तित्व जनता से है। यदि वह जनता की आवाज को ही दबा दे, तो उसका नैतिक आधार खत्म हो जाता है। जलियांवाला बाग जैसे स्थानों को टूरिस्ट अट्रैक्शन नहीं, राष्ट्रीय चेतना के केंद्र के रूप में संरक्षित किया जाना चाहिए।जलियांवाला बाग केवल इतिहास का एक काला अध्याय नहीं, बल्कि आज की राजनीतिक और सामाजिक परिस्थितियों में प्रासंगिक चेतावनी है। जब तक सत्ता के सामने सवाल उठाने की स्वतंत्रता नहीं होगी, तब तक लोकतंत्र अधूरा रहेगा। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम शहीदों की कुर्बानी को केवल दो मिनट के मौन या फूल चढ़ाने तक सीमित न करें। हमें उनका सपना पूरा करना होगा कृ एक ऐसा भारत जहां सत्ता जवाबदेह हो, नागरिक स्वतंत्र हों, और सवाल पूछना एक अधिकार हो, अपराध नहीं। जलियांवाला बाग की दीवारें आज भी बोल रही हैं। सवाल यह है कि क्या हम सुन रहे हैं?

रैंप शो में मॉडल को हटाने पर हुई ट्रोलिंग पर नुसरत भरूचा ने तोड़ी चुप्पी, कहा- उसे रैंप वॉक के नियम नहीं पता थे

> नुसरत भरूचा ने कहा, हर कोई मेरे बारे में सही नहीं सोचेगा, और मैं सबको सफाई देती फिरूं, इतनी ऊर्जा नहीं है मेरे पास। नुसरत ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा, रैंप का नियम होता है कि बीच का रास्ता खाली रखा जाए। वह लड़की स्टेज के सेंटर में खड़ी थी, जबकि उसे साइड में होना चाहिए था।

जनहित में जारी', 'छोरी' और 'अकेली' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकीं नुसरत भरूचा इन दिनों अपनी हालिया रिलीज हुई फिल्म 'छोरी 2' को लेकर खूब चर्चा में हैं। वहीं, हाल ही में नुसरत को एक रैंप शो के दौरान एक लड़की को साइड करने पर ट्रोल किया गया था। इस पर कई दिनों बाद अब एक्ट्रेस ने अपनी चुप्पी तोड़ी है और सफाई पेश की है। नुसरत भरूचा ने कहा, हर कोई मेरे बारे में सही नहीं सोचेगा, और मैं सबको सफाई देती फिरूं, इतनी ऊर्जा नहीं है मेरे पास। नुसरत ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा, रैंप का नियम होता है कि बीच का रास्ता खाली रखा जाए। वह लड़की स्टेज के सेंटर में खड़ी थी, जबकि उसे साइड में होना चाहिए था। वह माडल नहीं, एक डिजाइनर थी, और शायद उसे रैंप वॉक के नियम नहीं पता थे। मुझे बताया गया था कि शो स्टॉपर को सेंटर में आकर डिजाइनर को बुलाना होता है। बस मैंने वही किया। बता दें, नुसरत भरुचा की बहुप्रतीक्षित हॉरर–थ्रिलर छोरी 2 11 अप्रैल 2025 को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई है। विशाल फुरिया के निर्देशन में बनी यह सीक्वल पहली फिल्म की तरह ही सस्पेंस और साइकोलॉजिकल हॉरर को और गहराई से दिखाने का प्रयास करती है।

न भूला गया, न माफ किया गया..जलियांवाला बाग हत्याकांड की 106वीं बरसी पर अक्षय कुमार का पोस्ट वायरल

आज 13 अप्रैल देश में बैसाखी का त्योहार मनाया जा रहा है और जलियांवाला बाग हत्याकांड की 106वीं बरसी है। इस मौके पर आम लोगों से लेकर सेलिब्रेटीज तक सोशल मीडिया पर बैसाखी की शुभकामनाएं देते शहीदों को याद करते नजर आ रहे हैं। वहीं, केसरी 2 फिल्म ला रहे एक्टर अक्षय कुमार ने भी जलियांवाला बाग हत्याकांड की बरसी पर खास पोस्ट शेयर की है, जो खूब वायरल हो रही हैं। अक्षय कुमार ने आज जलियांवाला बाग हत्याकांड की 106वीं बरसी पर उन शहीदों को याद किया, जिन्होंने आजादी की लड़ाई में अपनी जान गंवाई। इस मौके पर एक्टर ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर लिखा– "न भूला गया, न माफ किया गया।"अक्षय कुमार की यह पोस्ट जलियांवाला बाग की उस दुखद घटना को लेकर है, जब 13 अप्रैल 1919 को वैशाखी के दिन शांतिपूर्ण सभा में शामिल लोग ब्रिटिश सेना की क्रूरता का शिकार बने। इसमें सैकड़ों निर्दोष लोग मारे गए और हजारों घायल हुए। वहीं, अक्षय कुमार के काम की बात करें तो वह इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म केसरी चौप्टर 2 को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में उनके सताथ आर माधवन और अनन्या पांडे की भी अहम भूमिका है। फिल्म केसरी चौप्टर 2 वकील और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सी. शंकरन नायर के जीवन पर आधारित है, जिन्होंने जलियांवाला बाग हत्याकांड के पीछे की सच्चाई के लिए लड़ाई लड़ी थी। करण सिंह त्यागी द्वारा निर्देशित फिल्म केसरी चौप्टर 2, 18 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

प्रभु देवा से तलाक के 14 साल बाद EX वाइफ रामलथ ने खुलकर की बात, कहा- उन्होंने एक भी शब्द नहीं कहा..

बॉलीवुड के फेमस कोरियोग्राफर प्रभु देवा अपने काम के साथ–साथ अपनी शादीशुदा जिंदगी को लेकर भी अक्सर चर्चा में रहते हैं। प्रभु देवा ने साल 1995 में रामलथ से शादी की थी, लेकिन महज 16 साल में ही उनका तलाक हो गया था। वहीं, अब तलाक के सालों बाद प्रभु की एक्स वाइफ ने पहली बार अपने रिश्ते पर खुलकर बात की है। एक इंटरव्यू में प्रभु देवा की एक्स वाइफ रामलथ ने तलाक के 14 साल बाद अलग होने को लेकर कहा, भले ही वे अलग हो गए हों, लेकिन प्रभु हमेशा उनके कॉन्टेक्ट में रहे हैं। खासकर जब बात उनके बच्चों को सपोर्ट करने की होती है। उन्होंने एक पिता के रूप में अपनी जिम्मेदारी बहुत अच्छे से निभाई है। प्रभु देवा के साथ अपने मौजूदा रिश्ते के बारे में रामलथ ने कहा कि उनके अलग होने के बाद भी उन्होंने हमेशा एक–दूसरे के फैसले का सम्मान किया है और कभी भी उनके बारे में कुछ भी गलत नहीं कहा। रामलथ ने कहा, अगर हमारे तलाक के बाद उन्होंने मेरे बारे में कुछ भी बुरा कहा तो मैं उनसे नाराज हो जाऊंगी, लेकिन उन्होंने मेरे बारे में एक भी शब्द नहीं कहा। मैं ऐसे किसी के बारे में कुछ भी बुरा नहीं कहूंगी। रामलथ ने अपने बेटे ऋषि राघवेंद्र देवा के डेब्यू के बारे में भी बात की, जहां उन्होंने अपने पिता प्रभु देवा के साथ स्पेस शेयर किया। उन्होंने कहा, एक मां के रूप में अपने बेटे को करियर में अच्छा करते देखना उनके लिए गर्व की बात है। प्रभु देवा के लिए हमारे बच्चे ही उनकी जिंदगी हैं। मेरा बेटा प्रभु के साथ बहुत अच्छी बॉन्ड शेयर करता है। बता दें, प्रभु देवा की रामलथ से पहली मुलाकात 1990 के दशक की शुरुआत में हुई थी जब वे तमिल सिनेमा में कोरियोग्राफी में अपना करियर बना रहे थे। रामलथ, एक शास्त्रीय नर्तकी थी, लेकिन रामलथ मुस्लिम थी और प्रभु देवा हिंदू, इसलिए दोनों के परिवार उनके रिश्ते के खिलाफ थे। हालांकि, रामलथ ने हिंदू धर्म अपना लिया और अपना नाम लता रख लिया था और फिर दोनों ने 1995 में शादी कर ली और 2011 में दोनों का तलाक हो गया। रामलथ से शादी टूटने के बाद प्रभु देवा के साउथ एक्ट्रेस नयनतारा के साथ लिव–इन रिलेशनशिप में रहने की खबरें सामने आई थीं।

मेघना गुलजार की अगली फिल्म में दिखेंगी पृथ्वीराज सुकुमारन और करीना कपूर की जोड़ी

अभिनेत्री करीना कपूर खान और मलयालम स्टार पृथ्वीराज सुकुमारन जल्द ही सिल्वर स्क्रीन पर केमिस्ट्री शेयर करते नजर आएंगे। दोनों मशहूर डायरेक्टर मेघना गुलजार की फिल्म श्दायराश में नजर आएंगे। रविवार को इस फिल्म की घोषणा की गई। करीना, मेघना और पृथ्वी ने अपने–अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक ही तस्वीर पोस्ट की और अपनी दिल की भावनाएं लिखीं और फिल्म का हिस्सा बनने पर अपनी खुशी जाहिर की। सोशल मीडिया पर शेयर की गई तस्वीर में करीना और पृथ्वीराज सुकुमारन एक दूसरे के सामने बैठे हुए हैं और गहन चर्चा कर रहे हैं। मेघना उस चर्चा का हिस्सा हैं। एक अन्य तस्वीर में तीनों फोटो के लिए पोज देते नजर आ रहे हैं। करीना कपूर ने अपने कैप्शन में लिखा, श्मैंने हमेशा कहा है कि मैं एक निर्देशक की अभिनेत्री हूं... और इस बार मैं हमारे सबसे बेहतरीन निर्देशकों में से एक मेघना गुलजार और शानदार पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ काम करने का इंतजार नहीं कर सकती, जिनके काम की मैं बहुत प्रशंसा करती हूं। मेरी ड्रीम टीम दायरा के लिए। चलो इसे करते हैं। पृथ्वीराज सुकुमारन ने कैप्शन में लिखा, श्कुछ कहानियां सुनते ही आपके दिमाग में बस जाती हैं। मेरे लिए दायरा ऐसा ही है। मेघना गुलजार, बेहतरीन करीना कपूर खान और जंगली पिक्चर्स की टीम के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हूं! आप सभी को विशु की हार्दिक शुभकामनाएं! मेघना गुलजार ने तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा, जब कानून और न्याय की रेखाएं एक दूसरे से टकराती हैं। करीना कपूर खान और पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ दायरा शुरू करने को लेकर रोमांचित हूं। जंगली पिक्चर्स और मेरे सह–लेखक यश केसवानी और सीमा अग्रवाल के साथ एक बहुप्रतीक्षित यात्रा।

प्रियंका चाहर ने अंकित गुप्ता के साथ ब्रेकअप की अफवाहों के बीच रिश्ते में आए बदलाव पर की बात

अभिनेत्री प्रियंका चाहर चौधरी ने बॉम्बे टाइम्स फैशन वीक में नियारा इंडिया के लिए रैंप वॉक किया। इस इवेंट में वह बेहद खूबसूरत और आकर्षक दिखीं, उन्होंने एक शानदार ब्लैक ड्रेस पहनी थी। फैशन में हुए बदलाव के बारे में पूछे जाने पर प्रियंका ने समाचार एजेंसी से कहा कि उनके अनुसार, चाहे रिश्तों की बात हो या फैशन की, विकास करना हमेशा अच्छा होता है। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि विकास करना हमेशा अच्छा होता है, बदलाव हमेशा अच्छे होते हैं। बदलाव के लिए आगे बढ़ना पड़ता है। इसलिए, निश्चित रूप से बदलाव अच्छी बात है, चाहे रिश्तों में बदलाव हो या फैशन में बदलाव हो। अभिनेता अंकित गुप्ता के साथ उनके ब्रेकअप की खबरों के बीच उनका यह बयान आया है। अटकलबाजी को और हवा देते हुए, अंकित ने हाल ही में शो तेरे हो जाएं हम से बाहर निकलने की घोषणा की। इस शो में वह मुख्य भूमिका में हैं। प्रियंका और अंकित पहली बार शो उड़ारियां में साथ नजर आए थे और प्रशंसकों के पसंदीदा बन गए थे। बाद में ये दोनों लोकप्रिय रियलिटी शो श्बिग बॉस 16श में एक साथ दिखाई दिए, जहां वह अभूतपूर्व परिस्थितियों में एक–दूसरे का समर्थन करते नजर आए। शो से बाहर निकलने के बाद, उन्होंने कई म्यूजिक वीडियो में साथ काम किया। इंस्टाग्राम पर प्रियंका और अंकित द्वारा एक–दूसरे को अनफॉलो करने के बाद उनके ब्रेकअप की अटकलें शुरू हो गईं। पुरानी यादों को ताजा करते हुए प्रियंका ने बातचीत में अंकित के साथ अपनी केमिस्ट्री के बारे में बताया था, जिसे दर्शक खूब पसंद कर रहे थे। प्रियंका ने कहा था, मुझे लगता है कि हम बहुत सच्चे हैं। मुझे लगता है कि यही एक खासियत है, जिसकी वजह से हम एक–दूसरे से जुड़े हैं। हम बहुत सामान्य हैं। हमें दिखावा करना नहीं आता, शायद यही बात हमें जोड़े रखती है। प्रियंका ने कहा, हम दोनों में कोई सेलिब्रिटी वाइब नहीं है, हम दोनों में ऐसा नहीं है कि हम बहुत सामान्य हैं और यही हमें जोड़े रखता है। यही कुछ ऐसा है जो हमें उन लोगों से जोड़े रखता है जो हमसे प्यार करते हैं।

डेंगू-मलेरिया से लेकर थकान तक, हर परेशानी में फायदेमंद है ये जूस

आयुर्वेद में गिलोय को एक चमत्कारी औषधि माना गया है। यह शरीर की कई समस्याओं को दूर करने में मदद कर सकता है। खासकर गर्मियों के मौसम में गिलोय का जूस पीना सेहत के लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। इसमें मौजूद पोषक तत्व हमारे शरीर को अंदर से मजबूत बनाते हैं और कई बीमारियों से लड़ने में मदद करते हैं। गिलोय को संस्कृत में अमृता भी कहा जाता है जिसका मतलब होता है, अमरता देने वाली। यह नाम ही इसके औषधीय गुणों का प्रमाण है। गिलोय का जूस सिर्फ एक साधारण पेय नहीं है, बल्कि ये गर्मियों में सेहत के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। चलिए जानते हैं कि गिलोय का जूस कैसे बनाया जाता है और इसके क्या–क्या फायदे हैं।

गिलोय का जूस बनाने का आसान तरीका

1. गिलोय के पौधे से कुछ ताजी टहनियां तोड़ लीजिए। अब इन टहनियों को अच्छे से पानी से धो लीजिए ताकि इन पर लगी धूल–मिट्टी हट जाए।

2. अब इन टहनियों की बाहरी परत (आउटर स्किन) को खुरच कर हटा दीजिए। अंदर से आपको ग्रीन और फ्रेश हिस्सा दिखने लगेगा जो सबसे अधिक फायदेमंद होता है।

3. गिलोय की टहनियों को छोटे–छोटे टुकड़ों में काट लीजिए ताकि इन्हें ब्लेंड करना आसान हो जाए।

4. अब इन टुकड़ों को ब्लेंडर में डालिए। इसमें एक कप साफ पानी मिला लीजिए और इसे अच्छी तरह से ब्लेंड कर लीजिए।

5. जब मिश्रण अच्छी तरह से ब्लेंड हो जाए, तो इसे एक बारीक छलनी से छान लीजिए। आपका ताजा और पोषक गिलोय जूस तैयार है।

गिलोय जूस पीने के फायदे

डिहाइड्रेशन से बचावः गर्मी में शरीर से पसीने के रूप में काफी पानी निकल जाता है। गिलोय का जूस पीने से शरीर में पानी की कमी दूर होती है और आप हाइड्रेटेड रहते हैं।

डेंगू और मलेरिया में मददगारः डेंगू और मलेरिया जैसे वायरल बुखार में प्लेटलेट्स की संख्या कम हो जाती है। ऐसे में गिलोय का जूस पीने की सलाह दी जाती है, क्योंकि यह प्लेटलेट्स बढ़ाने में मदद करता है।

इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाएः गिलोय इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है, जिससे शरीर बीमारियों से लड़ने में सक्षम बनता है। अगर आप बार–बार बीमार पड़ते हैं तो गिलोय का जूस जरूर पिएं।?

पाचन तंत्र के लिए फायदेमंदः गिलोय का रस पाचन सुधारने में भी सहायक होता है। अगर आपको कब्ज, गैस या एसिडिटी की समस्या रहती है, तो इसका सेवन लाभदायक हो सकता है।

डिस्क्लेमरः यह लेख केवल सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रकार की बीमारी में गिलोय का सेवन करने से पहले डॉक्टर से सलाह जरूर लें। हर किसी की बॉडी टाइप और मेडिकल कंडीशन अलग होती है, इसलिए बिना परामर्श के कोई नया उपाय अपनाना नुकसानदायक हो सकता है।

सर्दियों से गर्मियां आने पर मौसमी बुखार का खतरा काफी बढ़ जाता है क्योंकि गर्मी और आर्द्रता में तेजी से वायरस हमला करते हैं।इसका सबसे ज्यादा प्रभाव कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोगों पर पड़ता है। हालांकि, अगर हम सफाई का ध्यान रखें तो इन वायरस के हमलों से सुरक्षित रह सकते हैं।आइए आज हम आपको कुछ ऐसी असरदार टिप्स देते हैं, जिन्हें अपनाकर आप मौसमी संक्रमण से बचे रह सकते हैं।

मौसमी बुखार से जुड़े लक्षण

बुखार, बहती नाक, गले में खराश, ठंड लगना और शारीरिक दर्द होना सबसे आम लक्षण हैं, जो आम मौसमी बुखार के कारण हो सकते हैं।कुछ लोगों को इसके कारण कमजोरी और चक्कर आने जैसी समस्याओं का भी सामना करना पड़ सकता है क्योंकि संक्रमण के दौरान शरीर को रोजाना के कार्य करने और तापमान संतुलित रखने के लिए अधिक ऊर्जा की जरूरत होती है।इस दौरान होने वाला तेज बुखार किसी गंभीर स्थिति का संकेत दे सकता है।

हाथों को साफ रखें

मौसमी बुखार और बीमारियों से बचे रहने के सबसे आसान और प्रभावी तरीकों में से एक है कि अपने हाथों को एकदम साफ रखें।किसी भी तरह की चीज को छूने के बाद, खाने से पहले और शौचालय का उपयोग करने के बाद अपने हाथों को एंटी–बैक्टीरियल साबुन से साफ करें।खासतौर से अगर आप किसी यात्रा पर जा रहे हैं तो अपने पास एंटी–बैक्टीरियल वाइप्स रखें और उससे अपने हाथों को साफ रखें।

अपने आस–पास की सफाई है बेहद जरूरी

गंदी वायरस के विकास को बढ़ावा देती है, इसलिए अपने आस–पास सफाई का ध्यान रखना बेहद जरूरी है।ऐसे क्षेत्रों से दूर रहें जहां पानी जमा हो और वायरस से छुटकारा पाने के लिए चादर, तकिए और उनके कवर को हर हफ्ते गर्म पानी से धोएं।साथ ही रोजाना अपने घर को एंटी–बैक्टीरियल सॉल्यूशन से साफ करें और कालीन या फिर रग्स को सप्ताह में कम से कम 2 बार वैक्यूम से साफ करें।

साफ पानी और भोजन का करें सेवन

संक्रमण और बीमारियों से सुरक्षित रहने के लिए साफ पानी और स्वच्छ भोजन का सेवन करें।साफ पानी के लिए फिल्टर, आरओ सिस्टम और अन्य जल शोधन उपकरणों की नियमित रूप से मरम्मत और रखरखाव करवाएं। इसके अतिरिक्त रोजाना 8 से 10 गिलास पानी का सेवन जरूर करें।वहीं भोजन के लिए फल और सब्जियों के इस्तेमाल से पहले धोएं। साथ ही हमेशा साफ बर्तनों में खाना परोसें।

मौसमी संक्रमण होने पर और क्या करें?

अगर आप पहले से ही मौसमी बुखार का सामना कर रहे हैं तो डॉक्टर से परामर्श करना सबसे अच्छा है।हालांकि, आप घरेलू नुस्खे के रूप में गर्म पानी पीना और फल खाना शुरू कर सकते हैं।जिंक और विटामिन–सी, विटामिन–डी और विटामिन–ए जैसे पोषक तत्वों से युक्त पौष्टिक भोजन करें।समय–समय पर अपने शरीर के तापमान की जांच करते रहें और दूसरों से दूरी बनाए रखने समेत पर्याप्त आराम करें।

पाचन स्वास्थ्य का समर्थन करने से लेकर हृदय स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और त्वचा की चमक बढ़ाने तक आलूबुखारे सेहत को कई अनगिनत स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है। चलिए गर्म दिनों में आलूबुखारे खाने के फायदों के बारे में जानते हैं। गर्मियों के महीनों में मीठे–तीखे स्वाद वाले आलूबुखारे का सेवन करना काफी फायदेमंद माना जाता है। ये कई स्वास्थ्य लाभों से भरपूर होता है। इसमें एंटीऑक्सिडेंट और फाइबर समेत आवश्यक पोषक तत्व भरे होते हैं, जो गर्मियों में हमारी सेहत को बनाए रखने में मदद करते हैं। पाचन स्वास्थ्य का समर्थन करने से लेकर हृदय स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और त्वचा की चमक बढ़ाने तक आलूबुखारे सेहत को कई अनगिनत स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है। चलिए गर्म दिनों में आलूबुखारे खाने के फायदों के बारे में जानते हैं।एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर– आलूबुखारे फेनोलिक यौगिकों और विटामिन सी सहित एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं, जो ऑक्सीडेटिव तनाव से निपटने और हृदय रोग, कैंसर और मधुमेह जैसी पुरानी बीमारियों के खतरे को कम करने में मदद करते हैं। पाचन स्वास्थ्य में सुधार– आलूबुखारे में घुलनशील और अघुलनशील दोनों प्रकार के फाइबर पाए जाते हैं, जो पाचन में सहायता करते हैं। ये कब्ज को रोकते हैं और नियमित मल त्याग को बढ़ावा देते हैं। इतना ही नहीं ये फाइबर स्वस्थ आंत माइक्रोबायोम को बनाए रखने में भी मदद करते हैं। हृदय स्वास्थ्य– आलूबुखारे में एंटीऑक्सीडेंट और फाइबर मौजूद होते हैं, जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर और सूजन को कम करते हैं। ये रक्त वाहिका कार्य में सुधार करते है और हृदय स्वास्थ्य में योगदान देते हैं। बता दें, आलूबुखारे के नियमित सेवन से हृदय रोग के खतरे को कम करने में मदद मिल सकती है। हड्डियों का स्वास्थ्य– आलूबुखारे में विटामिन के, पोटेशियम और मैग्नीशियम जैसे आवश्यक पोषक तत्व होते हैं। ये सभी पोषक तत्व हड्डियों के स्वास्थ्य को बनाए रखने और ऑस्टियोपोरोसिस को रोकने के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। इसलिए हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए डाइट में आलूबुखारे को शामिल करें। रक्त शर्करा नियंत्रण– आलूबुखारे में प्राकृतिक मिठास होती है, लेकिन बावजूद इसके इसमें ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है। ये रक्त शर्करा के स्तर में धीरे–धीरे वृद्धि करते हैं। इसलिए इन्हें डायबिटीज के लोगों के लिए फायदेमंद माना जाता है। वजन नियंत्रण– आलूबुखारे में कैलोरी कम और फाइबर अधिक होता है, जो पेट को लंबे समय तक भरा रखता है। इस तरह ये वजन नियंत्रित करने में मदद करता है। जो लोग अपना वजन कम करने की कोशिश कर रहे हैं वो गर्मियों की डाइट में इसे शामिल कर सकते हैं। त्वचा का स्वास्थ्य– आलूबुखारे में विटामिन सी की मात्रा कोलेजन उत्पादन में योगदान करती है, जो त्वचा की लोच बनाए रखने में मदद करती है और उम्र बढ़ने के संकेतों को रोकती है। इसके अलावा आलूबुखारे में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट त्वचा को मुक्त कणों और यूवी विकिरण से होने वाले नुकसान से बचाते हैं। डिस्क्लेमररू इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

अगर आपका वजन बढ़ रहा है और आपके पास जिम जाकर वर्कआउट करने के लिए समय नहीं हैं तो आप बिलकुल भी चिंता न करें। अब सवाल बनता है कि वजन कम करने के लिए कितनी देर चलना चाहिए? न्यूट्रिशनिस्ट और लाइफस्टाल कोच सिमरन कौर से जानते हैं रोजाना कितनी देर चलने से वजन कम होता है? वजन कम करना बिलकुल भी आसान नहीं होता है। इसके लिए कई पापड़ बेलने पड़ते हैं। बहुत से लोग हैवी वर्कआउट करने से भी डरते हैं। ऐसे में आप रोजाना टेहल कर वेट लॉस कर सकते हैं। अब सवाल ये बनता है कि वजन कम करने के लिए कितनी देर चलना चाहिए? आइए आपको बताते हैं न्यूट्रिशनिस्ट और लाइफस्टाल कोच सिमरन कौर से जानते हैं रोजाना कितनी देर चलने से वजन कम होता है? रिसर्च क्या कहती है? रिसर्च के मुताबिक, रोजाना पैदल चलना एक बढ़िया एरोबिक एक्सरसाइज है, जो पूरे शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करती है। ब्क्ब के अनुसार, रोजाना कम से कम 8 से 10 हजार कदम चलने से वजन कंट्रोल करने में मदद मिलती है। कितने कदम चलनी सही होता है? एक्सपर्ट की मुताबिक, तो दिन में कम से कम 9000–10000 कदम चलने से वजन कम करने में मदद मिलती है, लेकिन इसके साथ एक्सरसाइज और डाइट का ख्याल रखना भी जरुरी है। वजन घटाने के लिए कैसे वॉक करें? बेहतर परिणाम के लिए वॉक करते समय ब्रिस्क पेस को मेंटेन करें यानी आपको न बहुत अधिक तेज वॉक करना है और ना ही बहुत धीमे चलना है। एक्सपर्ट की मानें तो सही रिजल्ट के लिए आपको हर हफ्ते में लगभग 150 मिनट वॉक करनी चाहिए। तभी आपको वजन कम करने में मदद मिल पाएगी। किस समय वॉक करें? सुबह 7 से 9 बजे के बीच का समय वॉक के लिए सबसे अच्छा समय माना जाता है। अगर आप सुबह पैदल नहीं चल पाते हैं, तो आप शाम और रात में पैदल चलकर भी आसानी से वजन कम कर सकते हैं। पाचन संबंधित परेशानियां दूर होगी पैदल चलने से पाचन संबंधित परेशानियां दूर होती है। वॉक करने से न केवल आपका वजन कम होगा, बल्कि इससे आपकी पाचन शक्ति भी बेहतर होगी। वॉक करने से गैस, एसिडिट और कब्ज से भी राहत मिलेगी। स्ट्रेस होगी दूर अगर आप काफी स्ट्रेस लेते हैं तो आपको वॉक करना चाहिए। रोजाना वॉक करने से स्ट्रेस कम होता है। वहीं इससे मानसिक तनाव और डिप्रेशन जैसे लक्षणों से छुटकारा मिल जाता है। डिस्क्लेमररू इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

संक्षिप्त

इंडिगो समेत अन्य एयरलाइंस 15 अप्रैल से दिल्ली के इस एयरपोर्ट से बंद करने जा रही फ्लाइट का संचालन

इंडिगो से यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए बड़ी खबर है। दिल्ली से अब इंडिगो की फ्लाइट मिलने में मुश्किल होने वाली है। इंडिगो एयरलाइंस 15 अप्रैल से केवल दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे के टर्मिनल 1 और टर्मिनल 3 से परिचालन करेगी। अब टर्मिनल 2 से फ्लाइट संचालन नहीं होगा जिसके लिए रखरखाव कार्य को कारण बताया गया है। इंडिगो ने रविवार को एक बयान में कहा कि 15 अप्रैल के बाद से रखरखाव के कारण दिल्ली टी2 की सभी उड़ानें टर्मिनल 1 पर स्थानांतरित हो जाएंगी। इस परिवर्तन के कार्यान्वयन के साथ, इंडिगो अब अगली सूचना तक इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल 1 और टर्मिनल 3 से परिचालन करेगी। इंडिगो के नोटिस में कहा गया है, षदिल्ली टर्मिनल 2 का रखरखाव किया जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप 15 अप्रैल 2025 से अगली सूचना तक सभी उड़ानें टर्मिनल 1 पर स्थानांतरित की जाएंगी।ष साथ ही कहा गया है कि पुनरू आवंटित की जाने वाली उड़ानों की सूची इसकी वेबसाइट पर साझा की जाएगी। इंडिगो ने कहा, पंजीकृत संपर्क विवरणों पर ईमेल और व्हाट्सएप के माध्यम से सूचनाएं भेजी जा रही हैं, साथ ही हम अपनी वेबसाइट पर उन उड़ानों की सूची भी जोड़ रहे हैं जिन्हें पुनः आवंटित किया जा रहा है, ताकि आपको अपनी उंगलियों पर सभी आवश्यक जानकारी मिल सके। इंडिगो के अलावा, आईजीआई के टर्मिनल 2 से अन्य एयरलाइनों द्वारा संचालित उड़ानों को भी अन्य टर्मिनलों पर स्थानांतरित किए जाने की उम्मीद है। अकासा एयर, जो टी 2 से उड़ानें संचालित करने वाली एयरलाइनों में से एक है, ने भी कहा कि दिल्ली से आने–जाने वाली उसकी सभी उड़ानें इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल 1 (1डी) से संचालित होंगी।

खनन गतिविधियों से प्रभावित लोगों की भलाई के लिए सरकार का कदम, DMF और PMKKY की दक्षता में होगा सुधार

नई दिल्ली। खनन की गतिविधियों से प्रभावित होने वाले लोगों की भलाई के लिए खान मंत्रालय एक कार्यक्रम प्रबंधन इकाई स्थापित करने पर विचार कर रहा है। इस इकाई का काम राज्यों के साथ प्रभावित लोगों के विकास के लिए चल रही योजनाओं का बेहतर प्रबंधन करना और प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र

कल्याण योजना को सुचारु रूप से लागू करना होगा। सरकार ने साल 2025 में प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना (पीएमकेकेकेवाई) की शुरुआत की है। इसके तहत जिला खनिज फाउंडेशन (डीएमएफ) को माइनिंग एक्ट के तहत मिलने वाले धन का प्रभावित लोगों की बेहतरी के लिए इस्तेमाल किया जाना है। केंद्र सरकार ने संबंधित राज्य सरकारों को डीएमएफ के तहत उनकी ओर से बनाए गए नियमों में पीएमकेकेकेवाई को शामिल करने और इस योजना को लागू करने का निर्देश दिया है। खनन मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर दी गई जानकारी में बताया कि सरकार डीएमफ और पीएमकेकेकेवाई की दक्षता और प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए कई कदम उठा रही है।

अमेरिका संग टैरिफ विवाद के बीच चीन के निर्यात में 12.4 प्रतिशत की वृद्धि, आयात में गिरावट आई

नई दिल्ली। चीन के निर्यात में मार्च में एक साल पहले की तुलना में 12.4प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। कंपनियों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ओर से लगाए गए टैरिफ में वृद्धि से बचने के लिए निर्यात में जोर लगाया है, जिससे यह तेजी देखी गई। चीन की सरकार ने सोमवार को इसका एलान किया। चीन के सीमा शुल्क विभाग ने बताया कि आयात में 4.3ः की गिरावट आई। बयान के अनुसार, विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से निर्यात वर्ष के पहले तीन महीनों में एक वर्ष पहले की तुलना में 5.8ः बढ़ा, जबकि आयात में 7ः की गिरावट आई। मार्च में चीन का अमेरिका के साथ व्यापार अधिशेष 27.6 बिलियन डॉलर रहा, जबकि इसके निर्यात में 4.5ः की वृद्धि हुई। वर्ष की पहली तिमाही में अमेरिका के साथ चीन का व्यापार अधिशेष 76.6 अरब डॉलर रहा। ट्रम्प की व्यापार नीतियों में हालिया संशोधनों के अनुसार, चीन को अमेरिका को किए जाने वाले अधिकांश निर्यातों पर 145ः टैरिफ का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, निर्यात में सबसे अधिक वृद्धि चीन के दक्षिण–पूर्वी एशियाई पड़ोसियों को हुई, जहां मार्च में चीन से निर्यात में एक साल पहले की तुलना में लगभग 17% की वृद्धि हुई। अफ्रीका को निर्यात में 11ः से अधिक की वृद्धि हुई। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग सोमवार को क्षेत्रीय दौरे के तहत वियतनाम की यात्रा पर जा रहे हैं, जहां वे मलेशिया और कंबोडिया भी जाएंगे, जिससे उन्हें अन्य एशियाई देशों के साथ व्यापार संबंधों को मजबूत करने का अवसर मिलेगा, जो संभावित रूप से भारी टैरिफ का सामना कर रहे हैं, हालांकि पिछले सप्ताह ट्रम्प ने उन्हें लागू करने में 90 दिनों की देरी की थी। पिछले महीने वियतनाम को चीन का निर्यात एक वर्ष पहले की तुलना में लगभग 17ः बढ़ा, जबकि इसका आयात 2.7ः गिरा। सीमा शुल्क प्रशासन के प्रवक्ता ल्यू डालियांग ने कहा कि चीन एक ष्जटिल और गंभीर बाहरी स्थितिष का सामना कर रहा है, लेकिन आसमान नहीं गिरेगा। उन्होंने चीन के विविध निर्यात विकल्पों और विशाल घरेलू बाजार की ओर इशारा किया।

मुझे एक और मौका.., 40 गेंद में 89 रन की पारी खेलने वाले करुण नायर का संघर्ष

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 में रविवार को खेले गए डबल हेडर के दूसरे मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स की टीम भले ही हार गई हो, लेकिन करुण नायर की बल्लेबाजी ने सभी का दिल जीत लिया। करुण आईपीएल में लगभग तीन साल बाद बल्लेबाजी के लिए उतरे और उन्होंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 40 गेंद में 12 चौके और पांच छक्के की मदद से 89 रन की तूफानी पारी खेली। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 222.50 का रहा। करुण की इस धमाकेदार बल्लेबाजी के बाद उनका एक पुराना ट्वीट वायरल हो रहा है। इसमें वह क्रिकेट से खुद को एक और मौका देने की बात कर रहे हैं। आईपीएल ही नहीं, करुण ने हाल फिलहाल में घरेलू क्रिकेट में भी खूब रन बनाए हैं, लेकिन राष्ट्रीय टीम में उन्हें मौका नहीं मिल पाया। अगर वह आईपीएल में इस प्रदर्शन को जारी रखते हैं तो चयनकर्ता इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए उनके नाम पर विचार कर सकते हैं। इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम में बदलाव की संभावना है।

विजय हजारे ट्रॉफी 2024/25 में शानदार प्रदर्शन

33 साल के करुण का जो पुराना ट्वीट वायरल हो रहा है, उसमें उन्होंने लिखा था– प्रिय क्रिकेट! कृपया मुझे एक और मौका दें।इ दिसंबर 2022 में उन्होंने यह ट्वीट किया था। तब घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करने वाले करुण नायर को मौका नहीं मिलने पर उन्होंने यह पोस्ट अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर किया था। उनका करियर तब लगभग खत्म होने पर था। ऐसे में पूरी तरह टूट चुके करुण ने यह पोस्ट किया था। इस पोस्ट के बाद करुण के लिए पिछले दो वर्षों में कुछ चमत्कार सा हुआ है और वह भारतीय टीम का दरवाजा फिर से खटखटाने लगे हैं। हाल ही में हुए विजय हजारे ट्रॉफी में भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन कर सभी को चौंका दिया था। करुण ने इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाए थे और अपनी टीम को अकेले दम पर फाइनल तक ले गए थे। फाइनल में हालांकि, उनकी टीम विदर्भ को कर्नाटक के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। करुण ने इस टूर्नामेंट में आठ पारियों में 389.50 की आश्चर्यजनक औसत और 124.04 के स्ट्राइक रेट से सबसे ज्यादा 779 रन बनाए थे। इनमें पांच शतक और एक अर्धशतक शामिल है। उनका सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत स्कोर नाबाद 163 रन का रहा था।

रणजी ट्रॉफी में अपनी टीम को बनाया चौंपियन

इतना ही नहीं करुण का शानदार प्रदर्शन देश के सबसे प्रतिष्ठित घरेलू रेड बॉल टूर्नामेंट रणजी ट्रॉफी में भी जारी रहा। उनकी टीम विदर्भ रणजी के भी फाइनल में पहुंची और केरल को फाइनल में हराकर रणजी ट्रॉफी अपने नाम किया। करुण इस टूर्नामेंट में चौथे सबसे ज्यादा और विदर्भ के लिए दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। करुण ने 16 पारियों में 53.93 की औसत से 863 रन बनाए। इनमें चार शतक और दो अर्धशतक शामिल है। 135 रन की पारी उनकी सर्वश्रेष्ठ पारी रही। करुण से ज्यादा रन विदर्भ के लिए यश राठौड़ (960 रन) ने बनाए थे। हालांकि, लगातार दो शीर्ष घरेलू टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन से करुण ने भारतीय टीम का दरवाजा जरूर खटखटा दिया है। मेगा ऑक्शन में दिल्ली कैपिटल्स ने करुण को उनके बेस प्राइस 50 लाख रुपये में खरीदा था। हालांकि, रविवार को मैच से पहले उन्हें मौका नहीं मिला था। रविवार को जब वह मुंबई के खिलाफ अरुण जेटली स्टेडियम में उतरे, तो उन्होंने दिखा दिया की फॉर्म अस्थाई है और क्लास स्थाई है। विजय हजारे, रणजी और अब आईपीएल में उनकी बल्लेबाजी देखकर लग रहा है कि क्रिकेट ने शायद उन्हें एक और मौका दे दिया है।

मुंबई के खिलाफ मैच में बुमराह की धुनाई की

करुण ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ केवल 22 गेंद में अर्धशतक लगाया। यह उनके आईपीएल करियर का 11वां अर्धशतक रहा। उन्होंने लगभग सात साल बाद इस टूर्नामेंट में अर्धशतक लगाया। पिछली बार करुण ने ऐसा मई 2018 में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ किया था। तब उन्होंने 26 गेंद में 54 रन की पारी खेली थी। करुण बतौर इम्पैक्ट खिलाड़ी मैदान पर उतरे थे और उन्होंने मैच में गजब का इम्पैक्ट डाला। दिल्ली की टीम ने बिना किसी स्कोर पर जेक फ्रेजर मैकगर्क का विकेट गंवा दिया था। इसके बाद तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे करुण ने अभिषेक के साथ दूसरे विकेट के लिए 119 रन की साझेदारी की। हालांकि, शतक से पहले उन्हें मिचेल सैंटनर ने क्लीन बोल्ड किया, लेकिन जब वह 89 रन बनाकर वापस जा रहे थे तो फैंस ने उन्हें स्टैंडिंग ओवेशन दिया। 89 रन आईपीएल में किसी इम्पैक्ट खिलाड़ी द्वारा बनाया गया दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। करुण ने रोहित शर्मा को इस मामले में पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने पिछले सत्र में लखनऊ के खिलाफ 68 रन बनाए थे। करुण ने इस पारी के दौरान मौजूदा समय में दुनिया के सबसे बेहतरीन तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की भी जमकर धुनाई की। उन्होंने इस तेज गेंदबाज के खिलाफ कुल नौ गेंदें खेलीं और 26 रन बटोरे। इसी के साथ वह आईपीएल में बुमराह के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए। 2016 में शिखर धवन ने 16 गेंदों में बुमराह के खिलाफ 27 रन बनाए थे। करुण की मैदान में बुमराह से तू–तू–मैं–मैं भी हुई।

मुंबई इंडियंस ने दिल्ली कैपिटल्स को 12 रन से हराया, करुण नायर की मेहनत पर फिरा पानी

मुंबई इंडियंस ने रविवार को दिल्ली कैपिटल्स को 12 रनों से हरा दिया। अरुण जेटली स्टेडियम में मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 205 रन बनाए। इसके जवाब में दिल्ली की टीम 19 ओवर में 193 रन ही बना सकी। दिल्ली कैपिटल्स के लिए करुण नायर ने सबसे ज्यादा 89 रन बनाए। मुंबई की ओर से कर्ण शर्मा ने तीन विकेट लिए। दिल्ली कैपिटल्स की आईपीएल 2025 में ये पहली हार है, जबकि मुंबई इंडियंस ने दूसरा मुकाबला जीता है। 206 रनों के लक्ष्य पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स को पहले ही ओवर में झटका लगा। सलामी बल्लेबाज जैक बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। अभिषेक पोरेल ने 25 गेंद में 33 रन बनाए। करुण नायर 40 गेंद में 89 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान अक्षर पटेल 6 गेंद में 9 रन ही बना सके। ट्रिस्टन स्टब्स एक रन ही बना पाए। केएल राहुल ने 13 गेंद में 15 रन का योगदान दिया। विप्रज 14 रन बनाकर लौटे। 19वें ओवर में आशुतोष शर्मा, कुलदीप यादव और मोहित शर्मा रन आउट हुए। मुंबई की ओर से कर्ण शर्मा ने तीन और सैंटनर ने दो विकेट लिए। अरुण जेटली स्टेडियम में मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 205 रन बनाए, मुंबई के लिए तिलक वर्मा ने सर्वाधिक 59 रन बनाए। पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई इंडियंस को रोहित शर्मा और रयान रिकेल्टन ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 47 रन की साझेदारी हुई। रोहित 12 गेंद में 18 और रियान 25 गेंद में 41 रन बनाकर आउट हुए। सूर्यकुमार यादव ने 28 गेंद में 40 और कप्तान हार्दिक पंड्या दो रन बनाकर आउट हुए।

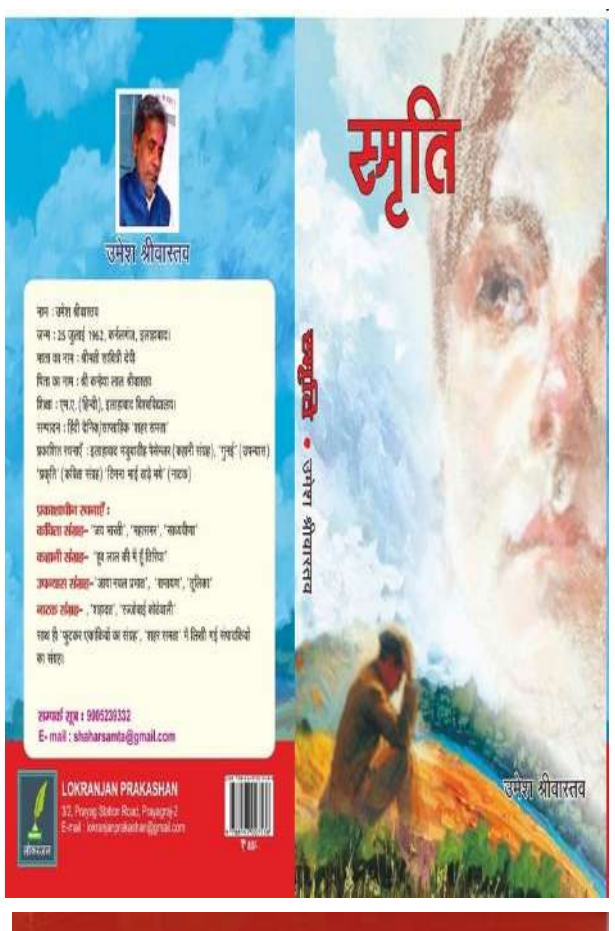

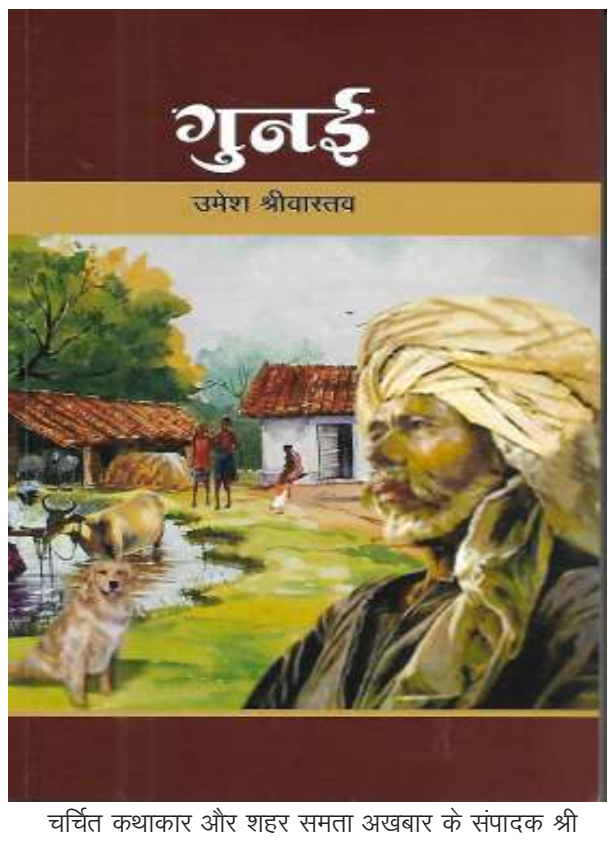

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

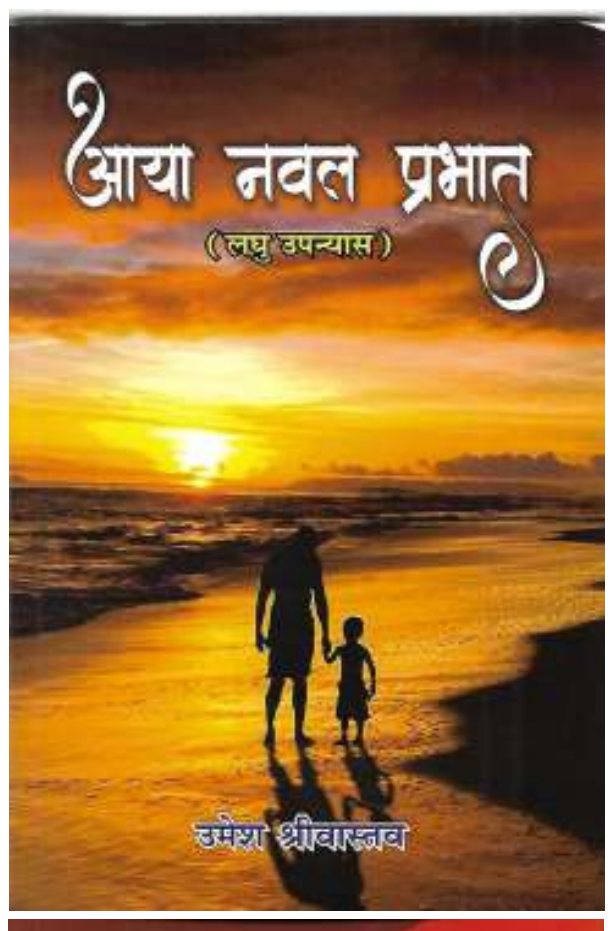

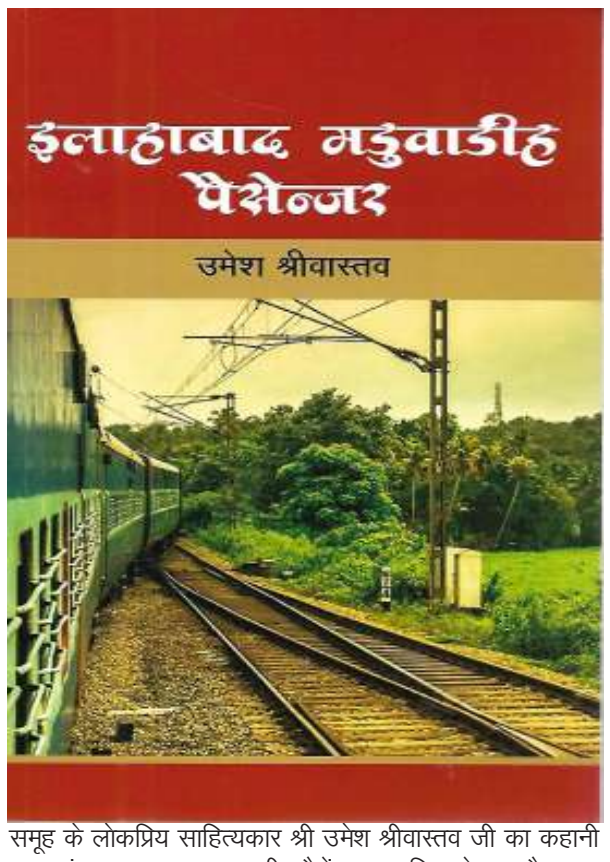

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

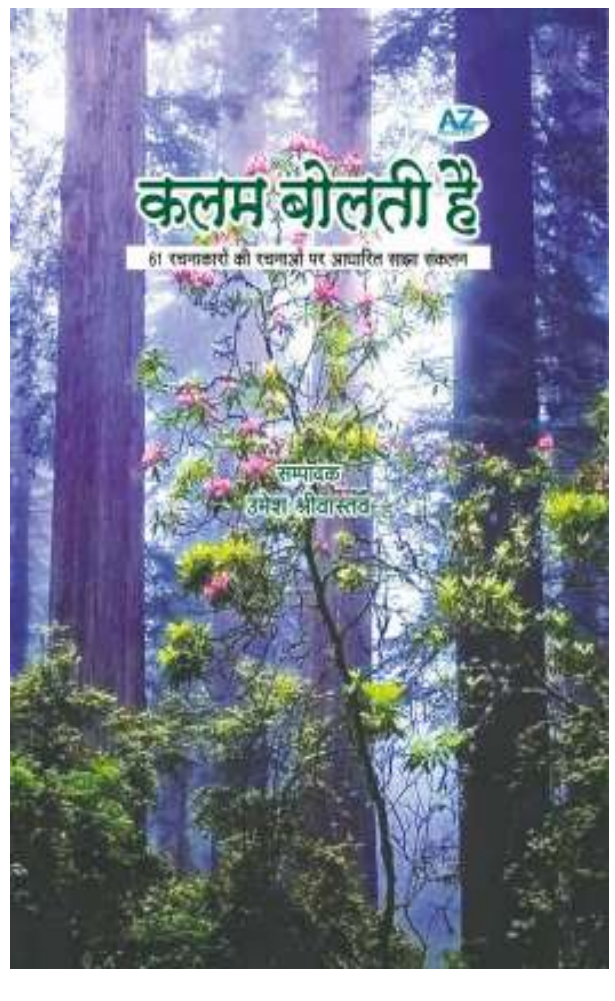

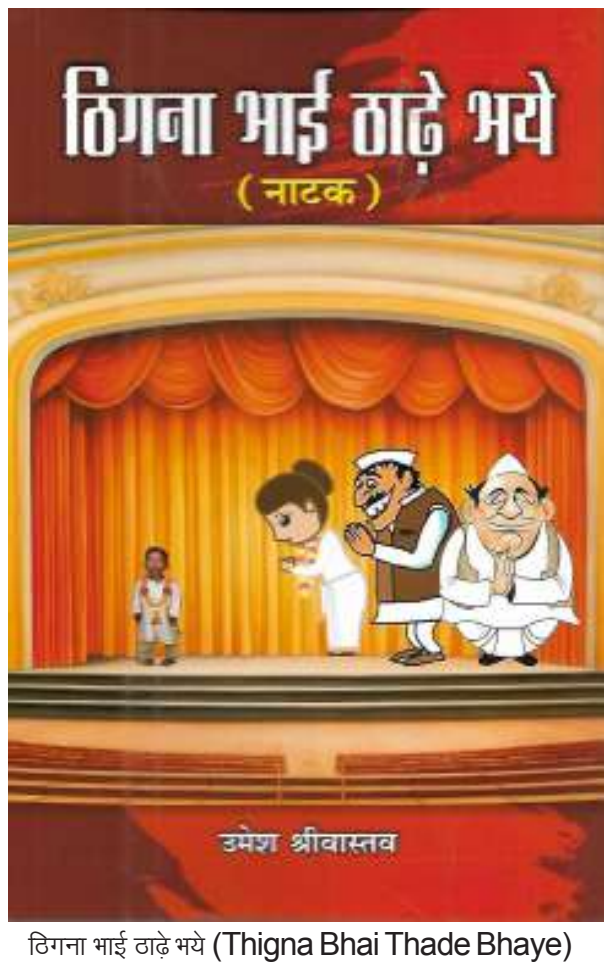

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

यूक्रेन के सूमी शहर में रूस के मिसाइल हमले में 30 से अधिक लोगों की मौत, 117 घायल

यूक्रेन के सूमी शहर में रविवार को रूस के मिसाइल हमले में कम से कम 34 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, दो बैलिस्टिक मिसाइल से यह हमला रविवार को पूर्वाह्न करीब सवा 10 बजे हुआ जब लोग 'पाम संडे' मनाने के लिए एकत्र हुए थे। वीडियो फुटेज में, शवों को सड़क किनारे और मलबे के बीच कम्बलों में लपेट कर रखे देखा जा सकता है। वहीं, अग्निशमन दल क्षतिग्रस्त इमारतों के मलबे के बीच कारों में लगी आग बुझाने का प्रयास करते देखे जा सकते हैं। यूक्रेन की 'स्टेट इमरजेंसी सर्विस' ने एक बयान में कहा कि हमले में मारे गए व्यक्तियों में दो बच्चे भी शामिल हैं। बयान में कहा गया कि 15 बच्चों समेत 117 अन्य लोग घायल हुए हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि दो मिसाइल हमलों में कई लोग मारे गए हैं और राहत कार्य जारी है। उन्होंने कहा, "प्रारंभिक सूचना के अनुसार कई लोग मारे गए और घायल हुए हैं।" यूक्रेनी राष्ट्रपति कार्यालय के प्रमुख एंड्री यरमक ने कहा कि हमले में ज़्यादा से ज़्यादा लोगों को मारने के लिए क्लस्टर बमों का भी इस्तेमाल किया गया। एसोसिएटेड प्रेस इस दावे की पुष्टि नहीं कर सका। सूमी पर यह हमला करीब एक सप्ताह में दूसरा बड़े पैमाने का हमला है, जिसमें आम लोगों की जान गई है। इससे पहले चार अप्रैल को जेलेंस्की के गृहनगर क्रिवी रीह पर घातक मिसाइल हमला हुआ था जिसमें नौ बच्चों सहित 20 लोग मारे गए थे। जेलेंस्की ने हमले पर वैश्विक प्रतिक्रिया का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा, बातचीत से बैलिस्टिक मिसाइलों और बमों पर कभी रोक नहीं लगी। रूस के प्रति वैसा रवैया अपनाने की जरूरत है जैसा किसी आतंकवादी के प्रति अपनाया जाता है।" विश्व के अन्य नेताओं ने भी इस हमले की निंदा की है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि इस हमले ने दोनों पक्षों के बीच वाशिंगटन के नेतृत्व वाली शांति वार्ता को कमजोर किया है। उन्होंने एक बयान में लिखा, ''हर कोई जानता है: इस युद्ध की शुरुआत अकेले रूस ने की थी। और आज, यह स्पष्ट है कि अकेले रूस ने ही इसे जारी रखने का फैसला किया है – मानव जीवन, अंतरराष्ट्रीय कानून और अमेरिकी राष्ट्रपति (डोनाल्ड) ट्रंप के कूटनीतिक प्रयासों की घोर उपेक्षा करते हुए।'' गवर्नर ओलेक्सांद्र प्रोकुडिन ने रविवार को बताया कि यूक्रेन के खेरसॉन क्षेत्र में रूसी गोलाबारी में 62 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई। वहीं गवर्नर वादिम फिलाश्किन ने बताया कि यूक्रेन के डोनेत्स्क क्षेत्र में रूसी गोलाबारी में एक और व्यक्ति की मौत हो गई। यूक्रेनी शहर खार्किव के महापौर आई. तेरेखोव ने रविवार को कहा कि एक रूसी हमले में शहर के एक किंडरगार्टन को निशाना बनाया गया, जिससे खिड़कियां टूट गईं और इमारत का सामने का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। उन्होंने कहा कि इसमें किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। इससे एक दिन पहले रूस और यूक्रेन के शीर्ष राजनयिकों ने ऊर्जा संयंत्रों पर हमले रोकने के लिए अमेरिका की मध्यस्थता वाले एक संभावित समझौते के उल्लंघन का एक–दूसरे पर आरोप लगाया था। दोनों देशों के विदेश मंत्रियों ने वार्षिक 'अंताल्या डिप्लोमेसी फोरम' में अलग–अलग कार्यक्रमों में बात की। इससे एक दिन पहले अमेरिकी राजदूत स्टीव विटकॉफ ने शांति संभावनाओं पर चर्चा के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा, "यूक्रेन शुरू से ही हम पर हमला कर रहा है।" उन्होंने कहा कि अमेरिका, तुर्की और अंतरराष्ट्रीय निकायों को रूस पिछले तीन सप्ताह के दौरान यूक्रेन के हमलों की सूची उपलब्ध कराएगा। वहीं, यूक्रेनी विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने उनके दावे पर कड़ा विरोध जताते हुए शनिवार को कहा कि रूस ने हमलों पर सीमित रोक को लेकर सहमति के बाद से यूक्रेन पर लगभग 70 मिसाइल, 2,200 ड्रोन हमले किये हैं और 6,000 से अधिक बम गिराये हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ये हमले अधिकतर आम लोगों पर किये गए हैं।

संक्षिप्त

गाजा में अस्पताल पर आईडीएफ की बमबारी, 21 लोगों की मौत

इज़राइल ने गाजा में अपना हमला तेज कर दिया। उत्तरी गाजा और अन्य क्षेत्रों में एक अस्पताल को निशाना बनाया, जिसमें बच्चों सहित कम से कम 21 लोग मारे गए। इज़राइल ने छोटी तटीय पट्टी में अपनी सुरक्षा उपस्थिति का विस्तार करने की कसम खाई है। गाजा शहर में अल–अहली अस्पताल पर हमला उत्तरी गाजा पर कई हमलों में से सबसे हालिया था। अस्पताल के निदेशक डॉ. फडेल नैम ने बताया कि आपातकालीन कक्ष, फार्मेसी और आस–पास की इमारतों को भारी नुकसान पहुंचा है, जिससे 100 से अधिक मरीज और कई कर्मचारी प्रभावित हुए हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इज़राइली चेतावनी के बाद निकासी के दौरान एक छोटी लड़की की मौत हो गई, क्योंकि चिकित्सा कर्मी समय पर गंभीर देखभाल प्रदान करने में असमर्थ थे। इज़राइल ने दावा किया कि उसने अस्पताल के भीतर हमास कमांड और नियंत्रण केंद्र को निशाना बनाया, हालांकि कोई सबूत नहीं दिया गया। हमास ने आरोप से इनकार किया है। यरूशलेम के एपिस्कोपल डायोसीज द्वारा संचालित अल–अहली अस्पताल पर पाम संडे के दिन हमला हुआ, जिसके बाद डायोसीज ने घटना की निंदा करते हुए एक बयान जारी किया। बयान में घटना के समय के महत्व पर जोर दिया गया, जिसमें कहा गया कि यह घटना पवित्र सप्ताह की शुरुआत में हुई, जो ''ईसाई वर्ष का सबसे पवित्र सप्ताह'' है। पाम संडे यीशु के यरूशलेम में प्रवेश का स्मरण करता है। गाजा शहर में, भक्तों ने इस अवसर को एक चर्च में मनाया, जो अपने सुनहरे ट्रिम और बरकरार संरचना के साथ आसपास के विनाश के बिल्कुल विपरीत था। एसोसिएटेड प्रेस के फुटेज में अस्पताल की ढही हुई छत और आसपास के मलबे का पता चला। स्वास्थ्य मंत्रालय के महानिदेशक डॉ. मुनीर अल–बोर्श ने बताया कि कैसे मरीजों को बिस्तरों में बाहर ले जाना पड़ा और उन्हें सड़कों पर सोने के लिए मजबूर होना पड़ा। मोहम्मद अबू नासिर ने कहा कि अस्पताल के अंदर या पूरे गाजा में कुछ भी सुरक्षित नहीं बचा था,९ उसने बाहर अपने बिस्तर से विनाश को देखते हुए कहा।

डोनाल्ड ट्रंप को मारने का 17 वषह्नय लड़के ने बनाया प्लान, मां बाप का कर चुका है मर्डर

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या करने का प्रयास करने और प्लानिंग करने वाले 17 वर्षीय लड़के को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी लड़के की पहचान 17 साल के निकिता कैसप के रूप में हुई है। इस युवक ने अपने माता पिता की भी हत्या की है, ताकि वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या कर सके। जानकारी के मुताबिक आरोपी अमेरिका के विस्कॉन्सिन स्टेट में रहने वाला निकिता कैसप है। अब अमेरिका में राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा काफी बड़ा बनकर उभरा है। आरोपी युवक का प्लान था कि वो अपने माता पिता को

मारकर घर में मौजूद सभी पैसे लेकर भागे। उन पैसों की मदद से राष्ट्रपति ट्रंप को मारकर मौजूदा सरकार को गिराए। आरोपी ने फरवरी में अपनी 35 वर्षीय मां तातियाना कैसप और 51 साल के सौतेले पिता डोनाल्ड मेयर की हत्या कर दी थी। निकिता ने अपने माता पिता की हत्या गोली मार कर की थी। दो सप्ताह तक वो लाशों के साथ घर में ही रहा था। इसके बाद वो 14 हजार डॉलर कैश, पासपोर्ट व कुत्तों को लेकर भाग गया था। निकिता कैसप के रिश्तेदारों को जब शक हुआ तो वेलफेयर चेक की अपील के बाद पुलिस की जांच में इस घटना का खुलासा हुआ था। ये घटना और गंभीर हुआ था जब एफबीआई की तरफ से दायर वारंट ने खुलासा किया कि कैसप ने एक घोषणापत्र में ये लिखा कि वो ट्रंप की हत्या की योजना बनाई थी। अमेरिका की सरकार को गिराना उसका मुख्य उद्देश्य था।

'आतंकवाद और दुनिया के बीच दीवार' की तरह खड़ा है पाकिस्तान : गृह मंत्री मोहसिन नकवी

पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने रविवार को कहा कि उनका देश ''आतंकवाद और दुनिया के बीच दीवार की तरह खड़ा है।'' उन्होंने अमेरिकी संसद के शिष्टमंडल से मुलाकात की और अर्थव्यवस्था, व्यापार, सुरक्षा व आतंकवाद–रोधी क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत बनाने के तरीकों पर चर्चा की। अमेरिकी संसद के शिष्टमंडल में जैक बर्गमैन, थॉमस रिचर्ड सुओजी और जोनाथन एल जैक्सन शामिल थे। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, दोनों पक्षों ने अर्थव्यवस्था, व्यापार, निवेश, सुरक्षा और आतंकवाद–रोधी सहयोग को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए आपसी हितों के मामलों पर चर्चा की। गृह मंत्री ने कहा कि आतंकवाद एक वैश्विक चुनौती है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को पाकिस्तान के साथ पूर्ण सहयोग करने की आवश्यकता है। उन्होंने यह रेखांकित किया कि पाकिस्तान ''आतंकवाद और दुनिया के बीच एक दीवार'' के रूप में खड़ा है। मंत्री ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ युद्ध में पाकिस्तान की कुर्बानी अतुलनीय है और अमेरिकी शिष्टमंडल की यह यात्रा आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में पाकिस्तान की भूमिका को रेखांकित करने में महत्वपूर्ण साबित होगी। अमेरिकी शिष्टमंडल ने शनिवार को योजना मंत्री अहसान इकबाल से मुलाकात की थी और दोनों देशों के बीच संबंधों को बढ़ावा देने पर चर्चा की थी।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

रूस को भारत के साथ कई क्षेत्रों में सहयोग विकसित होने की उम्मीद : विदेश मंत्रालय

रूस ने रविवार को भारत के साथ अपने मैत्रीपूर्ण संबंधों के लगातार मजबूत होने तथा इनके विस्तार की संभावना जताई और कहा कि उसे नयी दिल्ली के साथ बहुआयामी सहयोग विकसित होने की उम्मीद है। द्विपक्षीय राजनयिक संबंधों की 78वीं वर्षगांठ के मौके पर टेलीग्राम पर एक पोस्ट में रूसी विदेश मंत्रालय ने ''हम मैत्रीपूर्ण संबंधों के तीव्र गति से लगातार विकसित होने तथा रूसी–भारतीय संबंधों के विस्तार को लेकर विश्वास व्यक्त करते हैं।" भारत और रूस ने 13 अप्रैल 1947 को अपने राजनयिक संबंध स्थापित किये थे। रूसी विदेश मंत्रालय के अनुसार, द्विपक्षीय संबंधों की विशेषता विश्वसनीयता, उच्च स्तर की राजनीतिक वार्ता और विशेष रूप से विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी है। सरकारी समाचार एजेंसी 'तास' ने मंत्रालय के हवाले से कहा, ''वे आपसी विश्वास, राष्ट्रीय हितों के प्रति सम्मान, वैश्विक और क्षेत्रीय राजनीति के प्रमुख पहलुओं पर समान विचार रखते हैं।'' इसने कहा, ''सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों के साथ–साथ अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय समस्याओं पर चर्चा करने के लिए हर वर्ष उच्च स्तर की बैठकें और वार्ताएं होती हैं।" मंत्रालय ने यह भी कहा कि कि दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक, मानवीय, व्यापारिक और आर्थिक सहयोग सफलतापूर्वक विकसित हो रहा है तथा परमाणु ऊर्जा बातचीत के प्रमुख क्षेत्रों में से एक बना हुआ है। इसने कहा कि दोनों पक्ष ''समानता के सिद्धांतों, अंतरराष्ट्रीय कानून के मानदंडों और सिद्धांतों के अनुपालन के आधार पर एक बहुकेन्द्रित वैश्विक व्यवस्था बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'' विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने हाल में कहा था कि रूस अपनी विदेश नीति अवधारणा के अनुसार भारत के साथ अपनी विशेष रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करना विदेश नीति की प्राथमिकता मानता है। उन्होंने कहा था, ''हमारे दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक संबंध हैं। हम यह भी कह सकते हैं कि ये संबंध समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं। आज, रूस और भारत एक–दूसरे के प्रति साझा सम्मान के आधार पर तथा एक–दूसरे के हितों को ध्यान में रखते हुए समान स्तर पर अपने सहयोग को बढ़ावा दे रहे हैं।'' रूस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को द्वितीय विश्व युद्ध में जर्मनी पर विजय की 80वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में नौ मई को आयोजित होने वाले समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने जुलाई 2024 में रूस का दौरा किया था, जो लगभग पांच वर्षों में देश की उनकी पहली यात्रा थी। उस दौरान वह 22वें रूस–भारत शिखर सम्मेलन में शामिल हुए थे। पिछली यात्रा के दौरान, मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को भारत आने का निमंत्रण दिया था। वहीं, इस वर्ष पुतिन के भारत आने की उम्मीद है।

वक्फ कानून के खिलाफ जंग में कूदा हमास, मुस्लिम ब्रदरहुड की भी हुई एंट्री, अब होगा इजरायली इलाज ?

वक्फ कानून का विरोध करते करते केरल के कट्टरपंथी गाजा के आंतकी संगठन हमास की शरण में चले गए हैं। उन्हें मुस्लिम ब्रदरहुड के आतंकी भी मददगार नजर आ रहे हैं। वक्फ कानून पर प्रदर्शन की कुछ हैरान करने वाली तस्वीरें केरल के कालीकट से आई। प्रदर्शनकारियों के हाथों में याहा सिनवार और हसन अल–बन्ना नजर आ रहे हैं। याहा सिनवार हमास का चीफ था। इसका इजरायली डिफेंस फोर्स ने काम तमाम कर दिया है।

जबकी दूसरी तस्वीर हसन अल बन्ना की नजर आई जिसने मुस्लिम ब्रदरहुड की स्थापना की थी। वक्फ का विरोध कर रहे केरल के कट्टरपंथियों को लगता है कि हमास आकर उन्हें वक्फ के खिलाफ जंग में साथ देगा। इन कट्टरपंथियों को शायद ये पता नहीं है कि जिस हमास के याहा सिनवार के पोस्टर वे लहरा रहे हैं वो मारा जा चुका है। 1987 में हमास का गठन मुस्लिम ब्रदरहुड के शाखा के तौर पर हुआ था। ये संगठन खूंखार था व इजरायल का अस्तित्व मिटाना चाहता था। 2023 में हमास ने इजरायल पर हमला करके 1223 लोगों की जान ले ली थी। लेकिन इसके बाद इजरायल ने इसका वजूद ही मिटा दिया। गाजा को तहस नहस कर दिया। 17000 से ज्यादा हमास आतंकियों का मार गिराया। अब आप जरा मुस्लिम ब्रदरहुड की करतूतें भी जान लीजिए। 1928 में मिस्र में मुस्लिम ब्रदरहुड की स्थापना की। इस संगठन का सबसे चर्चित नारा इस्लाम की समाधान है। वैसे तो इसे इस्लाम के नैतिक मूल्यों के लिए बनाया गया था लेकिन जल्द ही ये सियासत में शामिल हो गया। 2011 में मिस्र में जिस आंदोलन की वजह से होस्नी मुबारक का तख्तापलट हो गया था और उन्हें सत्ता गंवानी पड़ी थी उसके पीछे यही इस्लामिक ब्रदरहुड था। ये संगठन खुद ही मिस्र में प्रतिबंधित है। आतंकी संगठन हिजबुल्लाह और हमास से भी इसके गहरे लिंक हैं। लेकिन केरल के कुछ मुसलमानों को मुस्लिम ब्रदरहुड में क्या नजर आया कि वक्फ की लड़ाई में पोस्टर लेकर निकल पड़े। वक्फ का कानून भारत की संसद ने बनाया है। लेकिन केरल के कुछ कट्टरपंथियों को लगता है कि हमास, मुस्लिम ब्रदरहुड जैसे विदेशी आंतकी संगठन वक्फ प्रॉपर्टी की लूट में उनकी मदद करेंगे। केरल में इसी मकसद से वक्फ के खिलाफ रैली में हमास आतंकी के पोस्टर लहराए गए। कट्टरपंथियों को नहीं पता कि कानून तो मानना ही पड़ेगा और ये हमास उनकी कोई मदद नहीं कर पाएगा। भाजपा नेता और केरल इकाई के पूर्व अध्यक्ष के सुरेंद्रन ने भारतीय धरती पर आयोजित विरोध प्रदर्शन में ऐसी शख्सियतों की मौजूदगी पर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि प्रदर्शनकारी हमास आतंकवादियों और वैश्विक जिहाद के वैचारिक जनक सैय्यद कुतुब की तस्वीरें क्यों दिखा रहे थे? मुख्यमंत्री इसकी अनुमति क्यों दे रहे हैं? उन्होंने राज्य सरकार पर आंखें मूंद लेने का आरोप लगाया। केरल पुलिस ने छह लोगों और लगभग 3,000 अन्य अज्ञात प्रदर्शनकारियों के खिलाफ गैरकानूनी तरीके से एकत्र होने और ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों के काम में बाधा डालने का मामला दर्ज किया है। प्रदर्शन के सिलसिले में छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि प्रदर्शन के दौरान दिखाई गई तस्वीरों के बारे में अभी तक कोई शिकायत नहीं मिली है।

शी जिनपिंग की बेटी को अमेरिका से बाहर निकालेंगे ट्रंप, गुस्साए चीन ने हॉलीवुड फिल्मों पर लगा दिया बैन

दुनिया की दो सबसे बड़ी ताकतें अमेरिका और चीन आमने सामने हैं। ये लड़ाई अब केवल ट्रेड वॉर तक सीमित नहीं रही। ये लड़ाई अब निजी रिश्तों तक पहुंच चुकी है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की बेटी मिंगजे को अमेरिका से डिपोर्ट करने की तैयारी कर रहे हैं। इस बीच जवाबी कार्यवाही में चीन ने सभी हॉलीवुड फिल्मों को अपने देश में बैन कर दिया है। डोनाल्ड ट्रंप ने पहले तो सत्ता संभालने के साथ ही चीन पर बड़े पैमाने पर टैरिफ लगाना शुरू कर दिया। चीन ने भी जवाब में अमेरिकी सामानों पर भारी टैरिफ लगा दिए। देखते ही देखते दोनों देश एक दूसरे पर 125 प्रतिशत से ज्यादा के टैरिफ लगा चुके हैं। अमेरिका–चीन व्यापार युद्ध के बढ़ने के साथ, मेगा कार्यकर्ताओं ने अमेरिकी विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे चीनी छात्रों पर कार्रवाई करने के लिए दबाव डाला। पिछले कुछ दिनों में सैकड़ों छात्रों ने अपने छात्र वीजा खो दिए हैं क्योंकि ट्रम्प प्रशासन पिछले साल परिसरों में हुए इजरायल विरोधी प्रदर्शनों से जुड़े छात्रों को निशाना बना रहा है। रिपोर्टों के अनुसार, कैंपस की किसी भी सक्रियता से जुड़े बिना कई लोगों ने अपने वीजा खो दिए हैं। चीनी छात्र राजनीतिक संघर्ष के निशाने पर हैं और टैरिफ युद्ध के कारण निशाना बनाए जाने से डरते हैं। मेक अमेरिका ग्रेट अगेन कार्यकर्ता लॉरा लूमर ने चीन के खिलाफ़ एक्स पर बयानबाज़ी करते हुए कहा कि ट्रम्प को शी जिनपिंग की बेटी को अमेरिका से निकाल देना चाहिए। लूमर ने पोस्ट किया काश हम चीन को सबक सिखाने के लिए चीनी छात्रों के वीज़ा रद्द करना शुरू कर पाते। उन्हें वापस भेज दें।

हालाँकि लॉरा लूमर को एक षड्यंत्र सिद्धांतकार के रूप में मुख्य रूप से खारिज कर दिया गया है, लेकिन उन्होंने हाल ही में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के कई कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया। कुछ साल पहले, यह दावा किया गया था कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की इकलौती बेटी शी मिंगज़े अमेरिका में रहती थी और हार्वर्ड में पढ़ती थी। हालाँकि, इस जानकारी की कभी पुष्टि नहीं हुई। रिपब्लिकन नेता पूर्व अमेरिकी प्रतिनिधि विकी हार्टज़लर ने 2022 में यह खुलासा किया जब उन्होंने चीनी कम्युनिस्ट पार्टी से उच्च शिक्षा की रक्षा करने वाला अधिनियम पेश किया था। चीन के राष्ट्रीय फिल्म प्रशासन ने हॉलीवुड फिल्मों को लेकर बड़ा निर्णय ले लिया।

इलेक्ट्रॉनिक्स शुल्क पर नयी छूट अस्थायी है, चिप पर लगेगा शुल्क, अमेरिका के वाणिज्य मंत्री

अमेरिका के वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने रविवार को कहा कि स्मार्टफोन और लैपटॉप जैसी इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं पर शुल्क को लेकर शुक्रवार को घोषित की गई छूट केवल अस्थायी राहत है। लुटनिक ने कहा कि यह राहत उस वक्त तक के लिए है जब तक कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाला प्रशासन सेमीकंडक्टर उद्योग के लिए शुल्क को लेकर नया दृष्टिकोण विकसित नहीं कर लेता।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।